हिन्दी दैनिक

प्रकाश वेग

सोशल मीडिया विस्तार | prakash veg news | @pvnewslko | प्रकाश वेग | www.prakashveg.com

वर्ष–9 अंक–341 R.N.I-UPHIN/2015/60230 लखनऊ गुरूवार 07 दिसम्बर , 2023 पृष्ठ–8 मूल्य– एक रूपये

मुख्यमंत्री योगी का एलान

डॉ. अंबेडकर पर शोध करने वाले छात्रों को दी जाएगी छात्रवृत्ति

लखनऊ। डॉ भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके अस्थिकलश स्थल का जायजा लिया और उनकी प्रतिमा पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने एलान किया निमार्णाधीन आंबेडकर स्मारक में शोध करने वाले छात्रों को प्रदेश सरकार की तरफ से छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश वासियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। बाबा साहब ने कहा था कि हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं। जो लोग भारत को कोसते हैं वह बाबा साहब का भी अपमान करते हैं। दुनिया में जब भी दबे-कुचले समाज के उत्थान की बात आती है तो बाबा साहब का नाम याद आता है। हमने समाज को जाति के आधार पर नहीं बांटा बल्कि गरीब, दलित, कमजोर वर्ग के विकास पर ध्यान दिया। हर गरीब और वंचित को प्रधानमंत्री आवास और शौचालय की सुविधा का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपी में सपा की

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर का हर कार्य, हर निर्णय 'अंत्योदय' को समर्पित था। उनका पूरा जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है।

सरकार चेहरा देखकर लाभ देती थी। दलितों और गरीबों के नाम पर राजनीतिक रोटी सेकी जाती थी लेकिन करते कुछ नहीं थे। मोदी सरकार ने बाबा साहब के सपनों को साकार किया है। जो लोग भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे हैं वह बाबा साहब का अपमान करते हैं। यह सरकार हर गरीब और दलित के साथ खड़ी है। हर गरीब और दलित को आवास और राशन कार्ड की सुविधा दी गई है मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बाबा साहब की प्रेरणा से हर गरीब और दलित को आवास और राशन कार्ड की सुविधा दी गई है। किसी प्रकार का छुआछूत नहीं हो इस मिशन पर काम कर रहे हैं। प्रत्येक गरीब को आवास दिलाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। श्रमिकों के बच्चों के लिए कॉन्वेंट स्कूल की तर्ज पर अटल आवासीय विद्यालय बनाया गया है। हर जिले में परिनिर्वाण दिवस के कार्यक्रम हो रहे है। बाबा साहब के संकल्प से लोगों को जोड़ रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान देने वाले बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का पूरा जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है। संविधान शिल्पी, 'भारत रत्न' बाबा साहब का हर कार्य, हर निर्णय 'अंत्योदय' को समर्पित था। ऐसे हुतात्मा को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि! आधुनिक भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान देने वाले बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का पूरा जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है। आंबेडकर महासभा दलितों की लाइफ लाइन है इस मौके पर उनके साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार असीम अरुण और आंबेडकर महासभा के लालजी निर्मल भी मौजूद थे। लालजी निर्मल ने कहा कि आज पूरी दुनिया में डॉ. आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया जा रहा है।

राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त ने कराया राजधानी में अवैध निर्माण

पुत्री दे रही समाचार पत्र को धमकी, एलडीए रहा सो

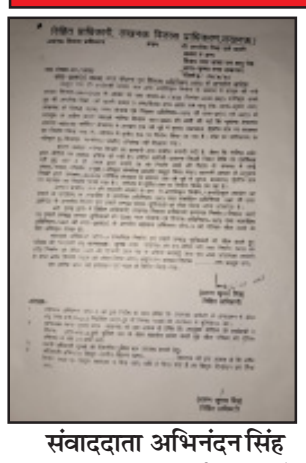

संवाददाता अभिनंदन सिंह

लखनऊ (प्रकाश वेग)। बीते दिनों सीएम योगी ने एक बैठक में सूबे के अधिकारी और कार्यालयों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा था कि तारीख पर तारीख वाला क्रियाकलाप नहीं चलेगा इसके साथ ही सीएम अवैध निर्माण पर भी सख्ती बरतने और कड़ी कार्रवाई करने की बातें करते रहते हैं अब ताजा मामला मुख्यमंत्री योगी के सरकार में ही राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त कुशीनगर के जगदीश मिश्रा उर्फ बाल्टी बाबा और उनके घराने से जुड़ा है राजधानी लखनऊ के विजयनगर आसाराम बापू रोड थाना कृष्णा नगर में एक भूखंड जिसका क्षेत्रफल करीब 4500 वर्गफीट है उस पर तीमंजिला अवैध निर्माण से जुड़ा है प्रकाश वेग की टीम को मिली जानकारी के अनुसार लखनऊ विकास प्राधिकरण के विहित अधिकारी ने 15 नवंबर 2023 को राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त बाल्टी बाबा की तीन मंजिला अवैध निर्माण पर नोटिस जारी करते हुए अपने पत्र में स्पष्ट तौर पर कहा था कि नोटिस तामील कराने के बाद भी विपक्षीय गण नियत तिथि पर उपस्थित नहीं हुए हैं और ना उनके द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य की वैधता के संबंध में कोई जवाब या साक्ष्य या स्वीकृत मानचित्र ही पेश किया गया पत्र में इस निर्माण को स्पष्ट तौर पर सील करने और टिप्पणी लाल पेंट से अंकित करने का आदेश थाना अध्यक्ष कृष्णा नगर के निगरानी में कराने का उल्लेख किया था इसी समाचार की पुष्टि एवं अवैध निर्माण कार्य की सत्यता का पता लगाने जब समाचार पत्र की टीम गई तो निर्माण स्थल पर मौजूद मुंशी रघुनाथ ने बताया कि बिल्डिंग में बने फ्लैट बिक्री के लिए हैं जिसमें कुछ कमर्शियल दुकानें भी हैं जिनकी बिक्री और रजिस्ट्री राज्य मंत्री जगदीश मिश्रा उर्फ बाल्टी बाबा की पुत्री संध्या मिश्रा करेगी समाचार पत्र की टीम के पास एलडीए के विहित प्राधिकारी द्वारा जारी पत्र की छाया प्रति है टीम के लौट आने के बाद समाचार पत्र के संपादक को मोबाइल नंबर 7905444358 से किसी संध्या मिश्रा ने फोन कर अभद्र भाषा के साथ जान माल की धमकी दी इसके बाद मोबाइल नंबर 911888 4275 से किसी अमित आनंद मिश्रा ने अपने को बाल्टी बाबा राज्य मंत्री का पीए बताते हुए फोन किया और दबाव में लेने की कोशिश की टीम द्वारा जब उपरोक्त नंबरों और इन लोगों के बारे में छानबीन की गई तो पता चला की संध्या मिश्रा राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त जगदीश मिश्रा उर्फ बाल्टी बाबा की लड़की हैं और अपनी बेअंदाजी के लिए जानी जाती हैं उनका एक वीडियो पाकिस्तान से भी चुनाव लड़ने का काफी चर्चा में रहा है बहरहाल एलडीए के नाक के नीचे सत्ता की हनक और प्रभाव का बेजा इस्तेमाल करते हुए राजधानी में राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त जगदीश मिश्रा और उनके कुनबे ने नोटिस और सील को धता बताते हुए पूरी इमारत खड़ी कर ली और उसमें बने फ्लैटो को बेचने का भी इंतजाम कर लिया है लेकिन एलडीए प्रशासन इस सबसे बेखबर कुंभ करनी नींद में सो रहा है।

तीन राज्यों में मुख्यमंत्री चुनने के लिए नड्डा ने बुलाई पार्टी नेताओं की बैठक

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को संसद भवन में पार्टी के आला-नेताओं के साथ बैठक की। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मुख्यमंत्री के चेहरे को फाइनल करने के लिए इस बैठक में कई अहम नाम शामिल रहे। इनमें भाजपा सांसद नरेंद्र तोमर, प्राद पटेल मौजूद रहे। इसके अलावा सांसद किरोड़ीलाल मीणा और राज्यवर्धन राठौड़ भी इस बैठक का हिस्सा बने। बताया गया है कि नड्डा आज शाम को ही पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों के साथ दिल्ली में ही बैठक करेंगे।

भाजपा ने चुनाव से पहले किए गए अपने वादों को पूरा नहीं करके मतदाताओं को धोखा दिया: ममता

कोलकाता । टीएमसी सुप्रीमो ने मनरेगा के तहत राज्य को आवंटित धन न देने को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में फर्जी जॉब कार्ड हटाए जाने के बाद भी उत्तर प्रदेश को रुपये दिए जा रहे हैं लेकिन केंद्र पश्चिम बंगाल को 100 दिनों की कार्य योजना का बकाया नहीं दे रहा है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। उन्होंने बुधवार को भगवा पार्टी को सबसे बड़ा जेबकतरा बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले किए गए अपने वादों को पूरा नहीं करके मतदाताओं को धोखा दिया है। उत्तर बंगाल के लिए

रवाना होने से पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्होंने पत्रकारों से वार्ता की। इस दौरान केंद्रीय जांच एजेंसियों जैसे ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग को लेकर भी केंद्र सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के लिए 'राजनीतिक भोजन' की तलाश में केंद्रीय एजेंसियां बार-बार राज्य का दौरा कर रही हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि वे (भाजपा) देश के सबसे बड़े जेबकतरे हैं और लोगों को इसके कारण सबसे ज्यादा परेशानी हुई है। प्रत्येक व्यक्ति के खाते में 15 लाख रुपये ट्रांसफर करने के उनके वादे, फिर नोटबंदी, और फिर महामारी के दौरान मुफ्त राशन को अचानक बंद करके भाजपा सरकार ने जनता को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी भाजपा से अलग हैं। इस दौरान टीएमसी सुप्रीमो ने मनरेगा के तहत राज्य को आवंटित धन न देने को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में फर्जी जॉब कार्ड हटाए जाने के बाद भी उत्तर प्रदेश को रुपये दिए जा रहे हैं लेकिन केंद्र पश्चिम बंगाल को 100 दिनों की कार्य योजना का बकाया नहीं दे रहा है।

हम चाहते हैं कि आगे से सब एकजुट होकर चुनाव लड़ें : नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के शीर्ष नेता नीतीश कुमार ने राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया के दलों को स्पष्ट संदेश देते हुए आज कहा कि वह चाहते हैं कि बहुत तेजी से विपक्ष एकजुट हो और आगे से सब एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ें। कुमार ने बुधवार को यहां बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में हाल में हुये विधानसभा चुनाव परिणाम से संबंधित प्रश्न पर कहा कि चुनाव में पिछली बार कांग्रेस उन राज्यों में जीती थी। कांग्रेस को इसबार भी अच्छा वोट आया है लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीती। तेलंगाना में कांग्रेस जीती है। इनसब चीजों पर कोई खास

चर्चा की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि वह तो यही चाहते हैं कि बहुत तेजी से विपक्ष एकजुट हो। मुख्यमंत्री ने कहा, खबर में चल रहा था कि हम इंडिया गठबंधन की बैठक में नहीं जा रहे हैं जबकि ऐसी कोई बात नहीं थी। मेरी तबीयत खराब थी। मुझे सर्दी-खांसी, बुखार लगा हुआ था। अगली बैठक होगी तो हम फिर कहेंगे कि अब देर नहीं कीजिए। आपस में बैठकर सबकुछ जल्दी से तय कर लीजिए। हम एक साल से विपक्षी एकजुटता में लगे हुए हैं। राज्यों के चुनाव में सभी पार्टियां अपनी-अपनी जीत के लिए लग जाती हैं वो अलग चीज है लेकिन हम चाहते हैं कि आगे से सब एकजुट होकर चुनाव लड़ें। कुमार ने इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने के सवाल पर कहा कि प्रधानमंत्री पद को लेकर उनके बारे में अक्सर खबरें आती हैं कि लेकिन वह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि उन्हें कुछ नहीं चाहिए।

दिल्ली जल बोर्ड का सीएजी से ऑडिट कराने के निर्देश

शीला सरकार तक की होगी जांच, केजरीवाल बोले- भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली । केजरीवाल ने अपने बयान में कहा कि विपक्ष कुछ आरोप लगा रहा है। तो, इससे (ऑडिट) सब कुछ बिल्कुल स्पष्ट हो जाएगा। हमने दिल्ली जल बोर्ड के पिछले 15 वर्षों के सीएजी ऑडिट का आदेश दिया है...अगर किसी ने कुछ गलत किया है, तो उन्हें दंडित किया जाएगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धन के दुरुपयोग के आरोपों के बीच अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा दिल्ली जल बोर्ड का ऑडिट कराने

का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों के रिकॉर्ड का ऑडिट किया जाएगा। दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं को लेकर भाजपा और आप में पिछले महीने से तीखी नोकझोंक जारी है। पिछले 15 वर्षों की अगर जांच होती है तो उसमें शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार भी आएगी। केजरीवाल का बयान केजरीवाल ने अपने बयान में कहा कि विपक्ष कुछ आरोप लगा रहा है। तो, इससे (ऑडिट) सब कुछ बिल्कुल स्पष्ट हो जाएगा। हमने दिल्ली जल बोर्ड के पिछले 15 वर्षों के सीएजी ऑडिट का आदेश दिया है...अगर किसी ने कुछ गलत किया है, तो उन्हें दंडित किया जाएगा। अगर कोई विसंगति नहीं होगी तो सच्चाई सामने आ जायेगी। इस सप्ताह की शुरूआत में, भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने आप सरकार द्वारा संचालित एजेंसी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के सदस्यों ने डीजेबी पर अपने सीवरेज उपचार संयंत्रों के उन्नयन के लिए फर्जी निविदाएं देने का ₹घोटाला₹ करने का आरोप लगाया। आदेश का स्वागत दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती ने सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे अच्छी बात कोई हो ही नहीं सकती. यह दिल्ली सरकार की पारदर्शिता को दशार्ता है कि मुख्यमंत्री ने स्वयं सीएजी ऑडिट का आदेश देने का विकल्प चुना। यह आप सरकार और हमारे नेता अरविंद केजरीवाल की ईमानदारी को साबित करता है।

भारतीय संस्कृति, पहचान को अपमानित करने की साजिश रच रही है कांग्रेस:अनुराग

नई दिल्ली । अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि तेलंगाना के होने वाले सीएम ने एक बयान जारी किया था, जिसमें उन्होंने कहा कि तेलंगाना का डीएनए बिहार के डीएनए से बेहतर है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस को चार राज्यों में हार का सामना करना पड़ा। केवल तेलंगाना में कांग्रेस बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाने में कामयाब रही। कांग्रेस की हार के बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हार के बाद कांग्रेस दुर्व्यवहार पर उतर आई है। अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, 'उनकी सोच स्पष्ट है। वे देश की संस्कृति और पहचान को मिटाना चाहते हैं। कुछ लोग टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ खड़े हैं। लेकिन हम देश को बंटने नहीं देंगे। उनकी सोच केवल हिंदुत्व और सनातन धर्म का अपमान करना है। कांग्रेस और उनकी सहयोगी पार्टी लगातार सनातन धर्म को बदनाम करते रहते हैं।' उन्होंने तेलंगाना के नए सीएम रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा, 'तेलंगाना के होने वाले सीएम ने एक बयान जारी किया था, जिसमें उन्होंने कहा कि तेलंगाना का डीएनए बिहार के डीएनए से बेहतर है। द्रमुख नेताओं का सनातन धर्म, हिंदू और हिंदी बोलने वालों के खिलाफ जानी मानी साजिश है।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'दिगविजय सिंह समेत अन्य कई विपक्षी नेता ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है। हार के बाद वह अपने हार की वजहों को नहीं देखते। वे केवल ईवीएम को दोष देते हैं। वे केवल हिंदुओं और सनातन धर्म पर निशाना साधते हैं।' बता दें कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में जीत हासिल की थी। वहीं कांग्रेस ने तेलंगाना में और जोराम पीपुल्स मूवमेंट मिजोरम में सरकार बनाने में कामयाब रही।

कल तक जो था आतंकवाद का गढ़, अब बन गया है लाल सोने का गढ़ : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के बाद जम्मू कश्मीर में ऐसी बयार बह चली है कि आतंकवाद का गढ़ कहे जाने वाले इलाके अब लाल सोने के गढ़ में तब्दील हो गये हैं। भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने लोकसभा में जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर मंगलवार को अधूरी रही संयुक्त चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में विकास की बयार बह चली है और आतंकवाद का गढ़ कहे जाने वाले पुलवामा और किश्तवाड़ जैसे इलाके अब लाल सोने (केसर) के गढ़ में तब्दील हो चुके हैं। उन्होंने कहा, पुलवामा को आतंकवाद का गढ़ कहा जाता था, लेकिन आज यह केसर का गढ़ बन गया है। किश्तवाड़ में केसर को जीआई टैग दिया गया है। केसर को लाल सोना कहा जाता है। पाल ने कहा कि आतंकवाद की मार से त्रस्त इन इलाकों में किसान अब बेधड़क केसर का उत्पादन कर रहे हैं।

खरगे ने कर्नाटक में सूखे से राहत के लिए केंद्र से की 18,171 करोड़ रुपये जारी करने की मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को केंद्र सरकार से गंभीर सूखे से जूझ रहे कर्नाटक के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) से 18,171 करोड़ रुपये जारी करने की मांग की। शून्यकाल के दौरान उच्च सदन में यह मामला उठाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कर्नाटक 123 साल में सबसे भीषण सूखे के दौर से जूझ रहा है और फसलों को 35,162 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। उनके अनुसार, फसलों को 40 से 90 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है।

खरगे ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए एनडीआरएफ से 18,171 करोड़ रुपये की मांग की है। कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा, यह वित्तीय सहायता (कर्नाटक में) सब्सिडी, मुफ्त राहत और अन्य तात्कालिक विकास उपायों को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि विभिन्न जलाशयों में जल स्तर खतरनाक रूप से कम निशान पर पहुंच गया है और आने वाले पेयजल संकट भी हो सकता है। खरगे ने चेन्नई सहित तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में बाढ़ की स्थिति का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने भाजपा पर लोगों की समस्याओं पर ध्यान नहीं देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जनता उन्हें वोट देती है लेकिन चुनाव जीत जाने के बाद वह उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं देती है। इस बीच, कांग्रेस की अमी याज्ञिक ने महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया और मांग की कि सभी संबंधित कानूनों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के खिलाफ हिंसा का राष्ट्र और उसकी अर्थव्यवस्था के विकास पर बड़ा हानिकारक प्रभाव पड़ता है। भाजपा सदस्य अशोक वाजपेयी ने सेवारत डॉक्टरों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि देश में लगभग 25 लाख डॉक्टर हैं जो अभूतपूर्व काम कर रहे हैं और पूरे देश ने कोविड महामारी के दौरान उनके काम को सराहा भी।

शाहबाद में मनाया गया बाबा साहेब का महापरिनिर्वाण दिवस

शाहबाद। बाबा साहेब डा भीमराव अंबेडकर के 67वें महापरिनिर्वाण दिवस पर बुधवार को विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक मानचंद सहित

सभी पुलिस कर्मियों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण किया तो उधर जीजीआईसी में बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमे कॉलेज की छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता से पहले प्रार्थना सभा में बाबा साहेब के चित्र पर प्रधानाचार्य वंदना शर्मा सहित समस्त स्टाफ और छात्राओं द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई।

कोतवाली पुलिस ने चोरी में लिप्त 5 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

देवरिया। जनपद की कोतवाली पुलिस ने चोरी में लिप्त 5 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस टीम ने चोरी

के जेवरातों को भी बरामद कर लिया। कोतवाली की पुलिस टीम ने भीखमपुर रोड पर स्थित दुकान व साहू लेडिज वर्ड में हुयी चोरी की घटना, सोमनाथ मंदिर के निकट कुष्ट आश्रम के निकट शालिनी सिरेमिक में हुयी चोरी की घटना व प्रशान्त सिंह के घर में हुयी चोरी में सोने के जेवरात व एक एप्पल आईफोन, चार चांदी के सिक्के व 27 हज़ार रूपये नकदी बरामद किया, और आरोपी विवेक गुप्ता, आकाश चौहान, अमन खरवार, अनिल सोनकर और गौरव वर्मा को चीनी मिल ग्राउण्ड में गिरफ्तार किया कर लिया। इनके विरूद्ध कोतवाली में चोरी के तीन केस दर्ज थे।

राजस्व एवं चकबंदी विभाग के कार्यों की राजस्व मंत्री ने किया समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

भू-माफियाओं के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: अनूप प्रधान,राजस्व संहिता द्वारा निर्धारित समयावधि में करें राजस्व वादों का निस्तारण

देवरिया । राज्य मंत्री राजस्व विभाग अनूप प्रधान ने कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व व चकबंदी विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व वादों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। कहा कि सरकार गरीबों और असहायों के साथ खड़ी है। भू–माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। राज्य मंत्री ने राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की गहन समीक्षा करते हुए कहा कि राजस्व संहिता द्वारा निर्धारित समयावधि में वादों का निस्तारण किया जाए। उन्होंने धारा 24 से जुड़े प्रकरणों में सीमांकन कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी पक्षकारों की आपत्तियों को सुनने के बाद करने का निर्देश दिया। धारा 67 के तहत आने वाले प्रकरणों पर प्राथमिकता

के साथ कार्रवाई की जाए, लेकिन इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि कार्रवाई करते समय किसी गरीब असहाय व्यक्ति का अस्थायी घर न उजड़े। राजस्वकर्मी किसी भी तरह की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण न होने दें और ऐसा करने वाले भू माफियाओं चिन्हित कर सख्ती से निपटे। उनके विरुद्ध बेदखली की कार्रवाई कर उनसे अधिकतम जुर्माना भी वसूले। उन्होंने तहसीलवार मुक्त कराई गई भूमि का ब्यौरा भी तलब किया। राज्यमंत्री ने कहा कि धारा 80 के तहत आने वाले वादों का निस्तारण 45 दिन के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाए। धारा 34 और 116 से संबंधित लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व वादों के निर्धारित अवधि से अधिक समय तक चलने से लोगों को असुविधा होती है। मुख्यमंत्री ने राजस्व वादों के समयबद्ध निस्तारण के लिए विशेष पहल की है। अधिकारी शासन की मंशानुरूप जनहित में कार्य करें या कार्रवाई के लिए तैयार रहें। समीक्षा बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार राय, एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, मुख्य राजस्व अधिकारी रजनीश राय, एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी, एसडीएम बरहज अवधेश निगम, एसडीएम रुद्रपुर रत्नेश तिवारी सहित राजस्व विभाग के विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

याद किये गए भीम राव अम्बेडकर

देवरिया। भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संविधान निर्माण में बाबा साहब के योगदान को याद किया। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, एडीएम वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार राय, एसडीएम

सीमा पांडेय, एसडीएम मंजूर अहमद अंसारी सहित कलेक्ट्रेट कार्मिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

झंडा दिवस में बढ़ चढ़ कर निभाएं भागीदारी

देवरिया। प्रभारी जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल जितेंद्र सिंह ने बताया कि कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी सशस्त्र सेना झंडा दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने आमजनमानस से सशस्त्र सेना झंडा दिवस में बढ़चढ़ कर भागीदारी निभाने का अनुरोध किया जिससे सैन्यबलों के कल्याण एवं पुनर्वास के लिए अधिक से अधिक धनराशि एकत्रित की जा सके।

आज़ाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष ,ऋषि गौतम ने बाबा साहेब डॉ अंबेडकर को अर्पित की श्रद्धांजलि

बिलासपुर के गांव मुल्ला खेड़ा में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

रामपुर। आजाद समाज पार्टी काशीराम के जिलाध्यक्ष ऋषि गौतम के नेतृत्व में तहसील बिलासपुर के ग्राम मुल्ला खेड़ा में जनसभा का आयोजन कर भारत रत्न बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आजाद समाज पार्टी काशीराम के जिलाध्यक्ष ऋषि गौतम के नेतृत्व में तहसील बिलासपुर ग्राम मुल्लाखेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में महाबोधित्व भारत रत्न बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के 67 वें परिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में बाबा साहेब के चित्र पर फूल मालाएं पहनाकर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई ।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आजाद समाज पार्टी काशीराम ऋषि गौतम ने परम पूज्य डॉ बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर के जीवन संघर्ष के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि भारत रत्न बाबा साहेब ने दलित,शोषित,नारी उत्थान,ओबीसी वर्ग को अपना जीवन कुर्बान करके अपने बच्चों की कुर्बानी देकर पूरे बहुजन समाज के लिए काम किया तथा संविधान रचयिता रहे और पूरे विश्व में इनकी ख्याति विख्यात रही ।ऐसे महान पुरुष के लिए हमारा भी कर्तव्य बनता है कि उनके बताए हुए मार्ग पर चलें। इस अवसर पर आजाद समाज पार्टी काशीराम के जिलाध्यक्ष ऋषि गौतम,जिला अध्यक्ष भीम आर्मी संजीव कुमार सागर,जिला उपाध्यक्ष कृष्णपाल,जिला संगठन मंत्री गोविंद सिंह,जिला सचिव दयाल पोशाक,अध्यक्ष सतीश सागर,राहुल सागर,सोनू सागर,संरक्षक पृथ्वी सिंह,दीपक सागर मंडल महासचिव भीम आर्मी आदि भी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय जाटव महासभा ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर अर्पित की श्रद्धांजलि

रामपुर। बुधवार को अखिल भारतीय जाटव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष महेश कुमार सागर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में जाटव समाज के लोग अंबेडकर पार्क में एकत्र हुए और भारतीय संविधान के वास्तुकार महान युगदृष्टा एवं ज्ञान के प्रतीक बोधिसत्व बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर कोटि कोटि नमन कर फूलमाला डाली व मोमबती लगाई। प्रदेश अध्यक्ष महेश कुमार सागर ने कहा कि हमारे लिए गर्व का विषय है कि सुप्रीम कोर्ट में आजादी के 76 साल बाद सुप्रीम कोर्ट में इतिहास रचा गया है और सुप्रीम कोर्ट परिसर में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाई गई ।जिसका संविधान दिवस 26 नवंबर को सी जी आई चंद्रचूर्ण की उपस्थिति में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने अनावरण किया ।जबकि अफसोस जनक बात है कि संविधान निर्माता बी आर अंबेडकर की मूर्ति तक सुप्रीम कोर्ट परिसर मे स्थापित नहीं हुई और जो लोग उनके आरक्षण का फायदा उठाकर सांसद विधायक बने हैं पार्लियामेंट हाउस में बैठते हैं उन्होंने भी यह आवाज नहीं उठाई ।प्रदेश अध्यक्ष महेश कुमार सागर ने कहा कि बाबा साहब का संपूर्ण जीवन शोषित पीड़ित वर्ग की सेवा और राष्ट्रहित की भावना विकसित करने में बीता ।बाबा साहब की सामाजिक आर्थिक राजनीतिक एवं धार्मिक विचारधारा का केंद्र बिंदु मनुष्य था उन्होंने मनुष्यता को प्रथम पायदान पर रखकर ऐसे मार्गदर्शक सिद्धांतों की बुनियाद रखी जिन पर चलकर समाज के निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति एवं समाज के उच्च पायदान पर खड़ा व्यक्ति समान रूप से अपने विकास के अवसर तलाश सके ।प्रत्येक व्यक्ति को सोचने के लिए प्रवृत्त किया उनमें आत्मसम्मान की ज्योति जगाई स्वाभिमान की प्रेरणा जगाई और मूल्यों के लिए स्वयं को न्योछावर करना सिखाया। जिन्हें सामाजिक समरसता की विचारधारा का नायक भी कहा गया है इसके विस्तार से उनके जीवन पर प्रकाश डाला ।इस अवसर पर सुशील सागर,दिनेश सागर,विनय सागर,आनंद सागर,गुछन सागर,विजय सागर,अजय सागर,तरुण,राकेश कुमार,बाली जाटव,सुमित सागर,रूबी,चिंटू सागर,राज कपूर सागर,अंकुर सागर,डीके भारती,अनिल कुमार,तरुण,राजा सागर,आनंद प्रकाश आदि मौजूद रहे।

सपा कैंप कार्यालय पर बाबा साहेब अंबेडकर की पुण्यतिथि पर अर्पित की गई श्रद्धांजलि

रामपुर। बुधवार को समाजवादी पार्टी के कैम्प कार्यालय पर संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन

अर्पित की। समाजवादी पार्टी के कैम्प कार्यालय पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष विरेंद्र गोयल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब डॉ भीम राव अम्बेडकर के चित्र पर फूल मालाएं पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष विरेंद्र गोयल ने अपने संबोधन बाबा साहेब डॉ भीम राव अम्बेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला और उनके द्वारा देश के लिए किए गए कार्यों को बताया ।इसके साथ ही अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया ।और सभी ने बाबा साहेब डॉ भीम राव अम्बेडकर द्वारा दिए गए संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए उनके द्वारा बताए गए रास्तों पर चलने का आवाहन किया। इस मौके पर धर्म कुमार वाल्मीकि,फैज आमिर,शादाब खान,गुड्डू मसूद खान,उबैद उल हक,अनवर खान,निसार भाई, जाहिद भाई,मोहम्मद आसिफ तुर्की,जमील अहमद,दानिश कुरेशी,गुड्डू खान,बब्लू खान, सलमान खान,जलील खान, सज्जाद खान आदि उपस्थित रहे।

नमो कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ

खिलाड़ियों को अच्छा अवसर देगा नमो कबड्डी प्रतियोगिता-शलभ

देवरिया। भाजपा किसान मोर्चा द्वारा आयोजित नमो कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

विधायक डॉ.शलभ मणि त्रिपाठी,नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह तथा किसान मोर्चा के प्रभारी राधेश्याम पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान और राजकीय इंटर कालेज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस दौरान सदर विधायक शलभ मणि ने कहा की भाजपा सरकार खेल और खिलाड़ियों को हर प्रकार से प्रोत्साहित कर रही है ।मोदी–योगी सरकार की मंशा है गांव के खिलाड़ियों को एक अलग पहचान देना। नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन सिर्फ भाजपा ही करा सकती है ।इससे ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को नया अवसर मिलेगा। नमो कबड्डी प्रतियोगिता के क्षेत्रीय प्रभारी राधेश्याम पाण्डेय ने कहा कि यह आयोजन हर जनपद में किया जा रहा है। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन मिश्रा ने अतिथियों का टोपी पहना और बैज लगा स्वागत किया और बताया कि विजेता टीमों के बीच सेमीफाइनल कल 7 दिसम्बर को स्टेडियम में ही खेला जायेगा। इसका संचालन भगवान यादव ने किया।

आयोजित किया गया निशुल्क चिकित्सा शिविर

सलेमपुर,देवरिया। लार बाजार के रेड रोज कॉन्वेंट स्कूल में निशुल्क चिकित्सा व आयुर्वेद का शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक काली प्रसाद ने कहा कि आज पूरी दुनिया आयुर्वेदिक चिकित्सा पर विश्वास जता रही है और लोग योग और आयुर्वेद के मुरीद हो रहे हैं। आरोग्य भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ अजीत नारायण मिश्र ने कहा कि भारतीय संस्कृति पर आधारित योग और आयुर्वेद के शिविर तथा स्वस्थ्य जीवन शैली विषयक गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत सदस्य अरविंद पांडेय ने कहा कि आरोग्य प्रदान करने के लिए इस तरह के शिविरों का आयोजन स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम है। जिला युवा अधिकारी विकास तिवारी ने कहा कि आज पूरी दुनिया आयुर्वेद और योग की तरफ देख रही है पूरे विश्व में आयुर्वेद और योग के प्रति लोग तेजी से जुड़ रहे हैं। शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पेट और नेत्र रोग के मरीज़ मिले उनका जांच कर निःशुल्क दवा वितरित किया गया। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक ने भाग लिया। शिविर में सवेरा हॉस्पिटल देवरिया का सहयोग रहा। योग प्रशिक्षक धर्मेश पांडेय ने रोगानुसार योगाभ्यास करने की बात कही। इस मौके पर डॉ एस एस सिंह, श्रीराम गणेश शर्मा, डॉ मंजू तिवारी,डा जगदीश प्रसाद, विनोद आनंद मिश्रा, जेपी यादव, श्रीमती राखी सिंह, चंद्र प्रकाश सिंह. पंचानन सिंह. शिव कुमार. कुश प्रजापति, वर्षा सिंह, अभिनव चंद, शौर्य राज, दीपक कुशवाहा, संदीप,शिवकुमार आदि उपस्थित रहे।

पशुपालन विभाग ने किया कैंप

देवरिया। विकास खंड बैतालपुर परिसर में एक दिवसीय किसान मेला का आयोजन किया गया, जिसमें पशु चिकित्साधिकारी डॉ दिग्विजय यादव व पशुधन प्रसार अधिकारी निशाकान्त तिवारी ने कैम्प किया। इस दौरान बताया गया कि सरकार प्राकृतिक कृषि पर विशेष ध्यान दें रही जिसके लिए स्वदेशी नस्ल के गायों के गोबर एवं पेशाब की आवश्यकता है। इसके लिए किसानों को स्वदेशी उन्नत नस्ल के गोपालकों को नंदबाबा योजना में 10 से 15 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि सरकार दे रही है। किसान मेला में कृषि विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं को बताया एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित किसानों के आवेदन लिए।

गवर्नमेंट पेंशनर्स की बैठक सम्पन्न

देवरिया। कलेक्ट्रेट में गवर्नमेंट पेंशनर्स की बैठक देवेंद्र मणि की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने समस्यायों से अवगत कराया। हनुमान तिवारी ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय कैशलैस कार्ड के बावजूद भी पेंशनर्स को कोई सुविधा नहीं मिल पा रही है। मो सब्बू ने बताया कि सेवानिवृत चकबंदी अधिकारी का चिकित्सा प्रतिपूर्ति का भुगतान द्वारा नहीं किया जा रहा है। राजवंशी ने यह मांग किया कि परिवहन विभाग मे पेंशनर्स को 40: की छूट दी जाएं। वीरेंद्र मिश्र ने यह मुदा उठाया कि ऑनलाइन जीवित प्रमाण भेजने के बाद भी कोषाधिकारी द्वारा पेंशन रोक दिया गया है। बैठक में मोतीलाल, राम नगीना दुबे,परमेश्वर जोसी, नरसिंह ,भगवान मणि,सुरेश कुशवाहा, श्याम बिहारी, पसुराम मिश्र आदि उपस्थित रहे।

डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए किए पुष्प अर्पित

रामपुर। शासन के निर्देशानुसार डा0 भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व हेम सिंह एवं अपर जिलाधिकारी प्रशासन लालता प्रसाद शाक्य की उपस्थिति में भारतीय संविधान के रचयिता और समाज सुधारक डॉ भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए पुष्प अर्पित किए ।अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने उनके जीवन पर विस्तारपूवर्क जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि बाबा साहब का पूरा जीवन देश सेवा को समर्पित था।

गुटखा कंपनी के चालक और सेल्समैन पर फायरिंग कर साढ़े सात लाख की डकैती का प्रयास, छह बदमाशों ने किया हमला

वाराणसी। वाराणसी के लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र के गोइठहा में मंगलवार की भोर में दो बाइक सवार छह बदमाशों ने गुटखा कंपनी के चालक पर फायरिंग कर साढ़े सात लाख नकदी और डकैती का प्रयास किया। इस दौरान गोली से गाड़ी का बोनट धंस गया। पीछे बाइक से आ रहे सेल्समैन पर भी बदमाशों ने फायरिंग की। इसके बाद सभी बदमाश चोलापुर रोड की ओर भाग निकले। गुटखा कारोबारी की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या के प्रयास और डकैती का मुकदमा दर्ज किया गया। उधर, पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। गोइठहां स्थित गुटखा कंपनी में मालवाहक चालक बड़ागांव थाना क्षेत्र के रामपुर बरौनी निवासी राजकुमार और सेल्समैन सारनाथ थाना क्षेत्र के लेढ़ूपुर निवासी प्यारेलाल है, जो कि भोर में सवा चार बजे मालवाहक डीसीएम और बिक्री का साढ़े 35 लाख रुपये लेकर गोइठहां स्थित कंपनी पर पहुंचे और डीसीएम को खड़ी करके दूसरी डीसीएम गाड़ी और नकदी लेकर कंपनी के कार्यालय प्रेमचंद्र नगर के लिए निकले। कंपनी से जैसे ही 500 मीटर दूर पहुंचे थे कि नकाबपोश दो बाइक पर सवार छह बदमाशों ने चालक को गाड़ी रोकने का इशारा किया, चालक ने किसी अनहोनी की आशंका होने पर गाड़ी लेकर आगे बढ़ गया, इस बीच एक बदमाश ने ड्राइवर को लूटने व जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। गोली गाड़ी के बोनट पर जा लगी। इस बीच चालक ने गाड़ी को तेजी से लालपुर पुलिस चौकी पर लेकर भाग आया। ड्राइवर के साथ कंपनी का सेल्समैन प्यारेलाल अपनी बाइक से वाहन के पीछे आ रहा था और गोली की आवाज सुनने पर पहुंचा तो अपराधियों ने उस पर भी फायरिंग की। इस बीच प्यारेलाल वापस कंपनी की तरफ भाग गया और अपनी जान बचाई। पुलिस को दिये तहरीर में पांडेयपुर के प्रेमचंद्र नगर कालोनी निवासी शशिकांत पांडेय के अनुसार उनकी प्राइवेट फर्म है, जिसका कारखाना और गोदाम गोइठहा लालपुर में है। यहां से कंपनी का माल तैयार होकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में विक्रय के लिए जाता है। वहां से छोटे-छोटे दुकानदारों से विकृत माल से प्राप्त नकदी लेकर ड्राइवर व सेल्समैन घर स्थित कार्यालय पर आते हैं, यह कार्य हफ्ते में एक या दो बार होता है। तहरीर के आधार पर लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। लालपुर-पांडेयपुर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि घटनास्थल के आसपास सीसी कैमरों को खंगाला जा रहा है। हत्या के प्रयास और डकैती का मुकदमा दर्ज किया गया है। जेल में बंद झुन्ना पंडित गिरोह पर पुलिस को शक हासिमपुर निवासी और कासगंज जेल में बंद झुन्ना पंडित गिरोह पर शक की सूई घूम रही है। क्योंकि पिछले वर्ष गोइठहां में ही गुटखा कंपनी के सेल्समैन मनीष यादव की लूट के इरादे से गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में हासिमपुर और दौलतपुर, भक्तिनगर से पुलिस ने आठ से अधिक बदमाशों को गिरफ्तार किया था। सभी झुन्ना पंडित के इशारे पर वारदात को अंजाम दिए थे। इस घटना को भी पुलिस झुन्ना पंडित गिरोह से जोड़कर देख रही है। उसके कुछ करीबियों को भी पुलिस ने पूछताछ के लिए उठाया है।

डीजल से चलने वाली नावों के धुएं से काले हो रहे काशी के घाट, दीवारों पर जमा हो रहा है कार्बन

वाराणसी। अपनी खूबसूरती से सैलानियों को रिझाने वाले अर्धचंद्राकार घाटों की खूबसूरती पर कार्बन की परत कालिख पोत रही है। वह है गंगा में दौड़ रहीं डीजल इंजन नावों का धुआं। यह खुलासा पर्यावरण विशेषज्ञों की टीम ने शोध के बाद प्रशासन को सौंपी रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दशाश्वमेध, शीतला, चेतसिंह किला घाट सहित 12 से ज्यादा घाटों की दीवारों पर सैकड़ों काले धब्बे (ब्लैक सर्किल) लग रहे हैं। साथ ही यहां आने वाले सैलानियों की सेहत भी धुएं की वजह से खराब हो रही है। इन नावों से लीकेज के बाद निकलने वाला ईंधन गंगा की सतह पर तैर रहा है। इससे गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं और जलीय जीवों के जीवन पर भी संकट उत्पन्न हो रहा है। दरअसल, देव दीपावली से पहले प्रशासन ने गंगा में जल परिवहन की संभावनाओं पर विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों की रिपोर्ट तैयार कराई थी। इसमें डीजल इंजन वाली नावों के संचालन से घाटों, सैलानियों और जलीय जीवों को हो रहे नुकसान पर रिपोर्ट दी गई है। इसके मुताबिक कार्बन की परत जमा होने से घाटों पर बने धब्बे के कारण इसकी एकरूपता समाप्त हो रही है। साथ ही घाटों के मूल रंगरूप को बचाते हुए इस कालिख को हटाना मुश्किल हो रहा है। प्रशासन को मिली रिपोर्ट में अस्सी से नमो घाट तक कई जगहों पर सतह पर डीजल की सतह भी बनी हुई मिली है। जिन जगहों पर ऑयल स्पील बन रहा है, उन क्षेत्रों में रहने वाले जलीय जीवों तक ऑक्सीजन की पर्याप्त मात्रा भी नहीं पहुंच पाएगी। 31 दिसंबर के बाद पूरी तरह से बंद किए जाएंगे डीजल इंजन रिपोर्ट सामने आने के बाद 31 दिसंबर के बाद प्रशासन गंगा से डीजल इंजन वाली नावों को हटाएगा। कई नावों में सीएनजी इंजन लगाए गए, मगर उन्होंने डीजल इंजन जमा करने की बजाय ग्रामीण क्षेत्रों की नाव में इसका उपयोग शुरू कर दिया है। गेल इंडिया की ओर से 31 दिसंबर तक ही निशुल्क सीएनजी इंजन नावों में लगाए जाएंगे। गेल इंडिया को प्रशासन ने राजेंद्र प्रसाद घाट पर जगह मुहैया करा दी है और यहां सीएनजी इंजन का वर्कशॉप संचालित होगा।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य पहुंचे, श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

कुशीनगर/पडरौना। तुर्कपट्टी क्षेत्र के वनस्पति देवी सेमरा धाम पर होने वाली शतचंडी महायज्ञ के लिए जगद्गुरु रामभद्राचार्य का महुअवा खुर्द में आगमन हुआ। उनका भव्य स्वागत किया गया। यहां से उनका काफिला कथा स्थल सेमरा धाम के लिए रवाना हो गया। वहां नौ दिनों तक रामकथा होगी। मंगलवार की देर शाम मुख्य यजमान अक्षयबर नाथ शुक्ला व जितेंद्र नाथ शुक्ला ने अपने आवास पर जगतगुरु का फूल मालाओं से स्वागत किया। उनके वाहन से उतरते ही पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। जय श्रीराम के जयकारे से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया। उपस्थित श्रद्धालुओं से मुखातिब होते हुए जगतगुरू ने कहा कि कुशीनगर की धरती पर आकर गौरवान्वित हूं। यह ऐसा अवसर है, जब कुछ दिन बाद ही अयोध्या में प्रभु श्रीराम का चिरप्रतीक्षित मंदिर का उद्घाटन हो जाएगा। इसके लिए सनातन समाज के लोगों व संतों ने काफी संघर्ष किया। रामभद्राचार्य महुअवा खुर्द में नौ दिन निवास करेंगे और सेमरा धाम में राम कथा कहेंगे। इस दौरान सांसद कुशीनगर विजय कुमार दुबे, चंद्र प्रकाश चमन, राणा प्रताप सिंह, प्रणय कुमार शुक्ला उर्फ हैप्पी शुक्ला, विनय तिवारी, ब्रजेश पांडेय, पशुपति शुक्ला, डॉ. ज्ञान प्रकाश पांडेय, महेंद्र दूबे, दीपक द्विवेदी, अमिताभ मिश्रा, शशांक मणि त्रिपाठी, विकास तिवारी आदि मौजूद रहे।

राहुल पर हो सकता है एससी-एसटी का केस

कुशीनगर। थाना क्षेत्र के पिपरा माफी के पास गन्ने खेत में सोमवार को सुबह जहरीला पदार्थ खाने वाले प्रेमी युगल में युवक का इलाज मंगलवार को भी जिला अस्पताल में हुआ। वह अब खतरे से बाहर है। उधर, युवती के शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी मौत की वजह जहरीला पदार्थ खाना बताई गई। पुलिस घटना की विवेचना कर रही है। उसके बाद धाराएं बढ़ाई जाएंगी। पुलिस का कहना है कि विवेचना के बाद राहुल पर दलित उत्पीड़न का केस दर्ज हो सकता है। सोमवार को सुबह दस बजे के लगभग राहुल ने 112 नंबर पर पुलिस को फोन करके सूचना दी थी। पुलिस ने पिपरा माफी गांव से कुछ दूरी पर खेत में युवती का शव पड़ा पाया। बगल में राहुल बेहोश पड़ा था। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं, युवती के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पोस्टमार्टम के बाद युवती के शव का अंतिम संस्कार सोमवार को सेमरा घाट पर किया गया। पुलिस ने पहले ही राहुल के खिलाफ युवती की मां की तहरीर पर अपहरण का मुकदमा दर्ज कर रखा है। उसी आधार पर विवेचना की जा रही है। चूंकि युवती अनुसूचित जाति की है। इसलिए विवेचना के बाद अगर दलित उत्पीड़न का केस दर्ज होता है तो इसकी विवेचना सीओ को सौंप दी जाएगी। कप्तानगंज थाने के एसओ राजकुमार बरवार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहरीला पदार्थ निगलने से युवती की मौत की पुष्टि हुई है।

मुंबई में ट्रेन से गिरकर घायल युवक की मौत

पकड़ियार बाजार। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के सौरहा खुर्द के चरिघरवा टोला निवासी एक युवक जो मुंबई में मजदूरी करता था। वह अपने भाई से मिलने ट्रेन से एअरपोर्ट जा रहा था। उसी दौरान ट्रेन से गिरने से उनकी मौत हो गई। चरिघरवा निवासी 22 वर्षीय नित्यानंद मुंबई में अपने भाई के साथ रहकर शटरिंग का काम करते थे। सोमवार को नित्यानंद के बड़े भाई विजय पटेल विदेश जाने के लिए छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर गए थे। उन्हीं से मिलने के लिए नित्यानंद मोबरा रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़ कर जा रहे थे। मुंबई में ही दूसरी जगह रह रहे मंझले भाई सोनू एअरपोर्ट चले गए थे। काफी समय तक नित्यानंद वहां नहीं पहुंचे तो सोनू उनकी तलाश करने लगे।

पुलिस से मुठभेड़ में चार बदमाशों को लगी गोली, पुलिस ने सभी शातिरों को किया गिरफ्तार

चंदौली। चकिया, नौगढ़ और चकरघट्टा पुलिस की संयुक्त टीम और चार शातिर बदमाशों के बीच बुधवार को नौगढ़ के जलेबिया मोड़ के पास मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में चार बदमाशों को गोली लगी है। एक बदमाश के हाथ और पैर में और बाकि तीन बदमाशों के पैर में गोली लगी है। ये चारा तीन दिसंबर को नौगढ़ में हुई बोलेरो लूट की घटना में शामिल थे। बदमाशों पर हत्या, हत्या का प्रयास ,गैंगस्टर, लूट, डकैती,रंगदारी मांगना, मारपीट,मादक पदार्थो की तस्करी और आर्म्स एक्ट जैसे जघन्य अपराध के कई मुकदमे दर्ज हैं। एसपी डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि बुधवार की भोर में औरवाटाड मोड़ पर नौगढ़ पुलिस वाहन चेकिंग कर रहे थी कि मुखबीर ने बताया कि दिलबगरा पहाडी पर कुछ अपराधियों द्वारा एक बोलेरो वाहन खड़ा करके लूट की

घटना को अंजाम देने के लिये दो व्यक्ति नीचे उतर कर रैकी कर रहे हैं व कुछ बदमाश गाडी के अंदर बैठे हैं। पुलिस पहुंची तो नीचे खड़े बदमाशों द्वारा पुलिस वालों के ऊपर फायरिंग की गई, पुलिस वाले आत्म सुरक्षार्थ बदमाशों के ऊपर बचते बचाते हुए कार्रवाई की गई। तब तक बोलेरो वाहन में बैठे बदमाश बोलेरो वाहन को लेकर चकिया की तरफ भागने लगे। पुलिस सुबह तलाश की तो बदमाश झाड़ियों में पड़े थे उनके पैर और हाथ में गोली लगी थी। उनकी पहचान सोनू सिंह, ग्राम चांद कमरिया थाना खीरा जनपद प्रयागराज और फागू साहनी ग्राम पचगडा थाना अदलहट जनपद मिजार्पुर के रूप में हुई। उनसे बोलेरो वाहन से भागे हुए बदमाशों के बारे में पूछा गया तो एक का नाम अनमोल पटेल ग्राम पचगडा थाना अदलहट जनपद मिजार्पुर और दूसरे का नाम सुनिल सोनकर थाना अहरौरा जनपद मिजार्पुर बताया। बुधवार को चकिंग के क्रम में जलेबिया मोड के पास थाना चकिया पुलिस दोनों बदमाशों को भी पकड़ लिया। पुलिस कर्मियों द्वारा घायल बदमाश को नियमानुसार हिरासत में लेकर तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना नौगढ पर अग्रिम आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बाबा कीनाराम मेडिकल कॉलेज के 19 शिक्षकों को दिया गया नियुक्ति पत्र

चंदौली। सैयदराजा में बन रहे बाबा कीनाराम स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में पठन पाठन की तैयारी शुरू हो गई। जिसके तहत मंगलवार कलेक्ट्रेट सभागार में 20 शिक्षकों में से 19 को नियुक्ति पत्र दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इस मौके पर प्रदेश के 278 सहायक आचार्य, 2142 स्टाफ नर्स, 48 आयुष चिकित्सा शिक्षक को नियुक्ति पत्र का वितरण और 674 एम्बुलेंस एवं 81 एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) को लोक भवन लखनऊ में हरी झंडी दिखाई। जिसका लाइव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। मेडिकल कॉलेज की नोडल प्रधानाचार्य डॉ. उर्मिला सिंह ने बताया कि अगले साल से मेडिकल कॉलेज में प्रवेश शुरू जाएगा। जिसमें पठन पाठन के लिए शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है इसी क्रम में पहले चरण में 20 शिक्षकों को नियुक्त किया गया है। इनमें से 19 चिकित्सकों को विधायक सुशील सिंह, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे और मुख्य चिकित्सा अधिकारी की मौजूदगी में नियुक्ति पत्र दिया गया। इनकों मिला नियुक्ति पत्र प्रधानाचार्य ने बताया कि आचार्य पद पर एनेस्थेसियोलॉजी के डॉ. राजबहादुर सिंह, बायोकेमिस्ट्री के लिए डॉ. केतकी खंडाडिया, सह आचार्य के पद पर शरीर रचना विज्ञान (एनाटॉमी) के लिए डॉ. संजीव सिन्हा, साइकियाट्री (मनोरोग विज्ञान) के लिए डॉ. शोभित जैन, फिजियोलॉजी के लिए डॉ. मेघना दुबे रासबिहारी सहायक आचार्य के पद पर स्त्री रोग के लिए डॉ. हरजीत कुमार कपुर, डॉ. विभा सिंह पटेल, जनरल मेडिसिन के लिए डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. विवेकानंद और डॉ. आनंद सिंह की नियुक्ती हुई। जनरल सर्जरी के लिए डॉ. नैसी पारुल, डॉ. अमित यादव, डॉ. अर्पिता सक्सेना को नियुक्ति पत्र मिला।

मिजार्पुर में सनसनीखेज वारदात, घर में सो रहे सोहन का रेत दिया गला, चारा मशीन में लगा था खून

मिजार्पुर। मिजार्पुर के अदलहाट थाना इलाके के टेडुआ गांव में सोमवार रात में टिन शेड में सो रहे सपा नेता की धारदार हथियार से गला रेतकर

हत्या कर दी गई। मंगलवार को सुबह जब घर की महिलाएं टिन शेड में पशुओं के लिए चारा लेने गईं तो सपा नेता सोहन यादव खून से लथपथ पड़े थे। महिलाओं का शोर सुनकर पहुंचे परिजन उनको निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने डाग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीम के साथ जांच पड़ताल की। पुलिस अधीक्षक ने भी मौके पर पहुंच कर छानबीन की। पुलिस हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। क्षेत्र के टेडुआ गांव निवासी सोहन यादव उर्फ सोनू (52) पुत्र मोधन यादव सोमवार को रात में गांव में ही मुन्ना तिवारी के पुत्र के तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। वहां से लगभग 11 बजे रात घर आने के बाद वे पास ही टिन शेड में सो गए थे। रात में किसी ने उनकी गला रेत कर हत्या कर दी। मंगलवार को सुबह चार बजे घर की महिलाएं पशुओं को चारा देने के लिए उठीं। वे टिन शेड में रखे पशुओं का चारा लेने के लिए गईं तो चारपाई के नीचे खून गिरा दिखा। खून गिरा देख महिलाओं ने शोर मचाया। शोर सुनकर परिजन आए। सोहन यादव का गला कटा था और वे खून से लथपथ थे। परिजन उनको नरायनपुर एक निजी चिकित्सालय ले गए। जहां उनको देखते ही डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजन शव लेकर घर आए। हत्या की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर थानाध्यक्ष रविंद्र भूषण मौर्या ने मौके पर पहुंच कर छानबीन की। सूचना पर पुलिस अधीक्षक अभिनंदन, एएसपी नक्सल ओपी सिंह, सीओ चुनार उमाशंकर सिंह ने भी मौके पर फारेंसिक, डाग स्क्वॉड के साथ पहुंच कर छानबीन की। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर अहरौरा, जमालपुर और चुनार पुलिस मौके पर तैनात कर दी गई। पुलिस अधीक्षक ने जांच पड़ताल कर परिजनों से घटना को लेकर बात की। छानबीन के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोहन के पुत्र संदीप की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन का कहना है कि मौके पर जाकर छानबीन की गई है। फील्ड यूनिट औ फोरेंसिक टीम ने भी छानबीन की है। हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

चंदौली की बहू राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह ने किया राज्यसभा का संचालन, 30 मिनट उपसभापति की कुर्सी पर बैठीं

चंदौली। दर्शना सिंह ने मंगलवार को 30 मिनट तक राज्यसभा का संचालन किया। इसको लेकर जनपद में हर्ष है। मूल रूप से चंदौली के बरहनी विकासखंड के चखनियां की निवासी राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह को 4 से 22 दिसंबर तक चल रहे राज्यसभा सदन में उपसभापति पैनल के सदस्य के रूप में कार्य करने के अवसर मिला है। राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह को उच्च सदन राज्यसभा के उपसभापति पैनल का सदस्य नामित किया गया है। चंदौली के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब यहां की किसी जनप्रतिनिधि को सदन चलाने की जिम्मेदारी मिली। दर्शना सिंह ने मंगलवार को 30 मिनट तक राज्यसभा का संचालन किया। इसको लेकर जनपद में हर्ष है। मूल रूप से चंदौली के बरहनी विकासखंड के चखनियां की निवासी राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह को 4 से 22 दिसंबर तक चल रहे राज्यसभा सदन में उपसभापति पैनल के सदस्य के रूप में कार्य करने के अवसर मिला है। यह नियुक्ति सभापति, उपसभापति एवं महासचिव राज्यसभा द्वारा दी गई है।

ऐसा चंदौली के इतिहास में पहली बार हुआ है जब सदन को सुचारु रूप से चलाने की जिम्मेदारी एक सदस्य के रूप में चंदौली की बेटी दर्शना सिंह को दी गई है। उन्होंने मंगलवार को 30 मिनट तक सदन का संचालन किया। दर्शना सिंह ने बताया कि पार्टी जो भी जिम्मेदारी उन्हें देती है।

संक्षिप्त समाचार

दो दिन पूर्व गायब मासूम का नदी में उतराया शव मिला

गाजीपुर। रेवतीपुर थाना क्षेत्र के भीष्मदेव राय पट्टी निवासी व्यवसायी अभिषेक राय का पुत्र सार्थक (3) दो दिन पहले गायब हो गया था। उसका शव मंगलवार को बिहार प्रांत के बक्सर जिले के मुफ्सिल थाना क्षेत्र के लरई गांव के समीप ठोरा नदी में उतराया मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बिहार प्रांत के मुफ्सिल थाने की पुलिस के अनुसार गाजीपुर जिले के रेवतीपुर गांव निवासी अभिषेक राय के ससुराल लरई में बीते तीन दिसंबर को शादी थी। उसी समारोह में शामिल होने के लिए वह परिवार समेत आए थे। शादी के दिन सार्थक घर के बाहर खेल रहा था, जहां से वह अचानक गायब हो गया। इस मामले में अभिषेक राय ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इस संबंध में बक्सर मुफ्सिल थाना प्रभारी राहुल कुमार ने बताया कि दो दिन पूर्व गायब मासूम का शव ठोरा नदी से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया डूबने से मौत होना प्रतीत हो रहा है, वैसे कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही पता चल सकेगा। बहरहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

मिचौंग तूफान से बदला मौसम का मिजाज, किसान चिंतित

गाजीपुर। चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण मौसम एकाएक बदल गया है। मंगलवार को बादल छाए रहे। वहीं, मौसम विभाग का कहना है सात दिसंबर को जनपद में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम का मिजाज बदलने के साथ ही किसानों के माथे पर बल पड़ने लगा है। आसमान में बादलों के मंडराने के कारण किसान चिंतित नजर आ रहे हैं। इसकी मुख्य वजह यह है कि अभी भी धान की कुछ फसल खेत या फिर खलिहान में है। किसान मुन्ना राय, प्रदीप राय, प्रभुनाथ राय, सनातन राय आदि ने बताया कि इन दिनों किसान धान की फसल की कटाई- मड़ाई में व्यस्त हैं और अपनी गाढ़ी कमाई घर पहुंचाने में लगे हैं। जहां धान कट गया है, वहां किसान खेतों की जोताई और भराई का कार्य कर रहे हैं। यदि बरसात हुई तो इससे धान की फसल को नुकसान होगा। जिसने खेतों की भराई की है, बुआई में बिलंब होगा। आलू की बुआई हो गई है, उसको भी नुकसान पहुंचेगा।

पांच हजार से अधिक परिवार खुले में शौच जाने को मजबूर

गाजीपुर। जनपद में आज भी खुले में पांच हजार से अधिक परिवार के लोग खुले में शौच करने को मजबूर हैं। हालांकि ये आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। हालांकि ऐसे परिवारों को चिह्नित शौचालय का लाभ दिया जाना है। जनपद को ओडीएफ घोषित कर दिया है। आंकड़ों के मुताबिक पांच लाख से अधिक परिवारों को शौचालय योजना का लाभ देने का दावा किया जा रहा है। लेकिन इसके बाद भी हजारों की संख्या में लोग खुले में शौच करने को मजबूर हैं। इस तरह की मिल रही शिकायतों को संज्ञान में लिया गया। सभी ग्राम पंचायतों की बैठक की पुस्तिका में यह दर्ज कराने का आदेश दे दिया गया है कि किस गांव में अब सभी पात्रों को शौचालय का लाभ मिल चुका है। कोई ऐसा परिवार नहीं है, जो खुले में शौच कर रहा है। इसके साथ ही रिपोर्ट देने को कहा गया। यह कार्य 30 नवंबर तक पूरा करना था। लेकिन, अभी तक कुछ ब्लाकों की पूरी रिपोर्ट नहीं आ पाई है। लेकिन, जो रिपोर्ट आई है, उसके मुताबिक पांच हजार 491 परिवार ऐसे मिले हैं, जिनके पास शौचालय नहीं है। इनकी सूची तैयार कर निदेशालय को प्रेषित की जाएगी और शीघ्र शौचालय उपलब्ध कराया जाएगा।

आवारा पशुओं को पकड़ेंगे पुलिस और लेखपाल

संतकबीरनगर। आवारा पशुओं से किसान और राहगीर सभी परेशान है। किसानों की फसल जहां खराब कर रहे हैं। वहीं राहगीरों के लिए हादसे का कारण बन रहे है। आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए डीएम ने कमेटी गठित की है। अब इसकी जिम्मेदारी क्षेत्रीय लेखपाल और पुलिसकर्मियों की होगी। साथ ही पकड़े गए पशुओं की तस्वीर खींचकर उच्चाधिकारियों को भेजनी होगी। ताकि सिर्फ खानापूर्ति न हो सके। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने खंड विकास अधिकारियों और सहायक पंचायत अधिकारियों को पत्र भेजकर निर्देश दिया है। पत्र में कहा गया है कि क्षेत्र में कहीं पर भी आवारा पशु दिखाई नहीं देना चाहिए। उन्हें पकड़कर गोशाला में संरक्षित किया जाए। आदेश के बाद पंचायत विभाग टीम गठित करने का काम शुरू कर दिया है। टीम में ग्राम पंचायत अधिकारी, पशुपालन विभाग कर्मी, सफाई कर्मी, लेखपाल और पुलिस कर्मी को भी शामिल किया गया है। एडीओ पंचायत के पत्र में कहा गया है कि कुछ आवारा पशु बिगड़ैल किस्म होते हैं। जिन्हें पकड़ने के लिए चार-छह लोगों की जरूरत होती है। ऐसे में उच्च अधिकारियों के आदेश पर लेखपाल और पुलिस कर्मी का भी सहयोग लिया जाएगा। हैंसर व पौली में आवारा पशुओं की भरमार बता दे की विकास खंड हैंसर बाजार और पौली में आवारा पशुओं की भरमार है। आवारा पशु फसलों को तो नुकसान पहुंचा ही रहे हैं साथ ही साथ किसानों पर हमला करके उनके जान का दुश्मन भी बन बैठे हैं। जबकि दोनों ब्लॉकों के कई स्थानों पर गोशाला तो बनाए गए हैं। तहसील स्तरीय गौ आश्रय केंद्र का निर्माण मझौरा में कराया गया है। पत्र में कहा गया कि अगर पास के केंद्र में जगह न हो तो तहसील स्तर पर बने गोशाला में पहुंचा दिया जाए। आवारा पशुओं की तलाश में टीम के लोग खेत से लेकर गलियों तक जाएंगे। सहायक पंचायत अधिकारी दालसिंगार यादव ने कहा कि जिलाधिकारी के आदेश पर आवारा पशुओं को पकडकर गौ आश्रय केंद्र में संरक्षित किया जा रहा है।

विक्रेता को वापस करनी होगी बोलेरो की ब्याज सहित रकम

संतकबीरनगर। पुरानी बोलेरो बेचने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष ने ब्याज सहित पूरी रकम 60 दिन में वापस करने का आदेश दिया है। मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह व महिला सदस्य संतोष ने यह आदेश जारी किया। इसमें 30 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति अतिरिक्त रूप से देने का आदेश दिया है। अधिवक्ता अन्जय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि धनघटा के धौरहरा, गोविंदगंज बाजार निवासी वीरेंद्र प्रताप ने परिवाद दाखिल किया था। इसमें कहा कि कानपुर नगर के रावतपुर मोहल्ला निवासी अनुज दीक्षित पुराना चार पहिया वाहन का क्रय-विक्रय करते हैं। एक चार पहिया वाहन जो उनकी पत्नी ज्योति दीक्षित के नाम से है। उसे उन्होंने उनसे तीन लाख रुपये में बेचने के लिए सौदा किए। उन्होंने 2.10 लाख का भुगतान कर दिया। जब वह शेष धनराशि लेकर वाहन लेने गए तो उन्हें बेचने से इंकार कर दिया। वहीं अग्रिम में दिया गया 2.10 लाख रुपये भी वापस नहीं किया। कोर्ट ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों व अधिवक्ता के बहस को सुनने के उपरांत दिए गए वाहन की कीमत रुपए 2.10 हजार ब्याज समेत साठ दिनों के भीतर अदा करने का आदेश पति-पत्नी को दिया है। इसके साथ ही क्षतिपूर्ति के रुप में 30 हजार रुपये अतिरिक्त चुकाना होगा।

सम्पादकीय

इंडिया गठबंधनः कैसा बंधन

सफल लोकतन्त्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और मजबूत विपक्ष को प्रजातन्त्र की मजबूती भी कहा जाता है। इसका एक ही कारण होता है कि लोकतन्त्र में जनता द्वारा चुनी गई सरकार जनता के लिए ही काम करती है। यह कार्य वह शासक भाव से नहीं बल्कि सेवाभाव से करती रहे इसके लिए जनता द्वारा चुना गया विपक्ष ही उसकी निगरानी भी करता है अतः सरकार को लगातार सेवाभाव में देखने का काम विपक्ष ही करता है क्योंकि वह भी सत्तारूढ़ पक्ष की तरह ही जनता द्वारा विभिन्न लोकतान्त्रिक सदनों में चुनकर भेजा जाता है। भारत की संसदीय प्रणाली में चुने हुए सदनों के भीतर सत्ता पक्ष और विपक्ष में सन्तुलन बनाये रखने के लिए इन्हें चलाने के ऐसे नियम बनाये गये जिससे कभी भी सरकार सेवाभाव की जगह शासक भाव में न जा पाये। इसकी तफ्सील में जाना इस सम्पादकीय में संभव नहीं है क्योंकि आज देश के सामने तो विपक्ष की ही समस्या है। 28 विपक्षी दलों को जोड़कर जो इंडिया गठबन्धन इसी साल के जून महीने में बनाया गया था वह पहले ही झटके में तार-तार होता नजर आ रहा है और इसके सिपाही आपस में ही एक-दूसरे के खिलाफ तलवारें खींचते नजर आ रहे हैं। सबसे पहले यह स्पष्ट होना जरूरी है कि इस गठबन्धन का गठन ही केन्द्र में मजबूत विपक्ष खड़ा करने के उद्देश्य से हुआ था। हाल में हुए विधानसभा चुनावों में इस गठबन्धन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान हारने से इसमें शामिल अन्य दल इतने निराश हो गये हैं कि उन्हें सारा दोष कांग्रेस पर ही मढ़ने में ही अपनी विजय नजर आ रही है। इससे अन्दाजा लगाया जा सकता है कि वर्तमान राजनीतिज्ञों की सोच कितनी निजपरक और संकीर्ण दृष्टि की है। मगर इंडिया के अधिसंख्य क्षेत्रीय दलों को यह भी नजर आ रहा है कि कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति की चन्द्रशेखर राव सरकार को किस तरह हराया है। भारत राष्ट्र समिति एक क्षेत्रीय पार्टी है। अभी तक यह अवधारणा बनायी जाती थी कि कांग्रेस क्षेत्रीय दलों को उनके अपने घर में नहीं हरा सकती। तेलंगाना जीतकर कांग्रेस ने इस अवधारणा को गलत साबित कर दिया है। दरअसल इंडिया गठबन्धन लोकसभा चुनावों के लिए बना था। विधानसभा चुनावों के लिए यह गठबन्धन नहीं था। इसका मतलब यह हुआ कि कांग्रेस के सहयोगी दलों को इन चुनावों में उसे समर्थन देना चाहिए था मगर बजाय समर्थन के कई दलों में कांग्रेस प्रत्याशियों के विरोध में अपने उम्मीदवार उतार दिये। आम आदमी पार्टी तो मिजोरम तक में जाकर चुनाव लड़ी जबकि अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने मध्य प्रदेश में 70 स्थानों पर चुनाव लड़ा। राजस्थान में भी आप पार्टी ने अपने प्रत्याशी उतारे। बेशक लोकतन्त्र में हर पार्टी को चुनाव लड़ने का अधिकार होता है मगर आपस में तालमेल बैठाने या दोस्ती करने का फैसला तो राजनैतिक पार्टियां खुद ही करती हैं। अतः केवल एक दल को कैसे जिम्मेदार बनाया जा सकता है। जबकि किसी भी राजनैतिक गठबन्धन की हकीकत यह होती है कि इसमें विभिन्न विचारधाराओं व सिद्धान्तों की पार्टियां एक साझा मंच तैयार करती हैं जिससे वह अपने से मजबूत समझे जा रहे सत्तारूढ़ दल का मुकाबला कर सकें। अतः गठबन्धन में प्रत्येक पार्टी को अपने निजी हित छोड़कर समग्र हितों के बारे में सोचना होता है लेकिन यहां तो गजब हो रहा है। तृणमूल कांग्रेस की सर्वेसर्वा ममता बनर्जी कह रही हैं कि क्या मुझसे पूछकर खड़गे जी ने 6 दिसम्बर को इंडिया की बैठक बुलाई थी। अखिलेश यादव इसी बात पर बिफरे बैठे हैं कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नेता श्री कमलनाथ ने उनकी पार्टी को चुनाव लड़ने के लिए सीटें क्यों नहीं दी? आखिरकार यह बैठक ही रद्द कर दी गई। इससे यही साबित होता है कि ये क्षेत्रीय दल तेलंगाना में कांग्रेस की जीत से खुश नहीं हैं और उत्तर भारत के तीन राज्यों में हुई उसकी पराजय को पूरे इंडिया गठबन्धन की गांठें खोलने वाला मान रहे हैं। यह नजरिया न तो गठबन्धन का हो सकता है और न देश में मजबूत विपक्ष खड़ा करने का। यदि लोकतन्त्र को भारत में मजबूत बनाना है तो सभी विपक्षी राजनैतिक दलों को सबसे पहले अपने स्वार्थ छोड़ने होंगे और देश को सर्वोपरि मानना होगा। ऐसा नहीं है कि विपक्ष की राजनीति में गठबन्धन का प्रयोग भारत में पहली बार हो रहा है। सबसे पहले 1967 में नौ राज्यों में गैर कांग्रेसी सरकारों का गठन इसी सिद्धान्त के तहत हुआ था। उसके बाद 1971 के लोकसभा चुनावों में भी इंदिरा गांधी के खिलाफ प्रमुख विपक्षी दलों ने गठबन्धन किया था जिसे चौगुटा कहा गया था।

इसके बाद 1977 के चुनावों में भी सभी प्रमुख विपक्षी दलों ने

इंडिया ब्लॉक को विधानसभा चुनाव नतीजों से उचित सबक लेना होगा

पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव परिणाम अप्रैलध्मई 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों से ठीक चार महीने पहले भाजपा विरोधी विपक्ष को अशुभ संकेत भेज रहे हैं। तीन उत्तर भारतीय राज्यों- मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के हाथों कांग्रेस की हार एक आपदा है। भाजपा की इस भारी जीत का प्रभाव राष्ट्रीय फलक पर बीआरएस को हराकर तेलंगाना में कांग्रेस की जीत को बेअसर कर देगा। राज्य विधानसभा चुनावों के नतीजों से कई सबक मिलते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है देश के इन तीन प्रमुख राज्यों में मतदाताओं के राजनीतिक मूड में भाजपा के पक्ष में स्पष्ट बदलाव। यह सीमांत नहीं है, यह बहुत अधिक है।

चुनाव प्रचार के अंतिम समय तक यह धारणा थी कि इस साल मई में हिमाचल और इससे भी अधिक कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस को चुनावी लड़ाई में बढ़त मिल रही है। 3 दिसंबर के नतीजों से पता चला है कि हवा भाजपा के पक्ष में बदल गई है और इससे हिंदी भाषी राज्यों में 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के पलटवार की संभावना कम हो गई है। आइए इन तीन राज्यों में पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजों पर नजर डालते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल 65 सीटों में से भाजपा को 61 सीटें मिली थीं, जबकि कांग्रेस को मात्र 3 सीटें ही मिली थीं। यह परिणाम 2018 के विधानसभा चुनावों के बाद आया था जिसमें कांग्रेस ने तीनों राज्यों में भाजपा को हरा दिया था। 2019 के लोकसभा नतीजों को कई लोगों ने नरेंद्र मोदी फैक्टर का जिक्र करके समझाया। अब लोकसभा चुनाव की पूर्वसंध्या पर इन तीनों राज्यों में से किसी में भी कांग्रेस की सरकार नहीं है। मोदी फैक्टर को छोड़ दें, केवल राज्य चुनाव प्रचार के आधार पर, कांग्रेस के पास इन तीन राज्यों में मतदाताओं को देने के लिए कुछ भी नया नहीं होगा। 2024 के चुनावों में हिंदी भाषी राज्यों में बदलाव कांग्रेस पार्टी के लिए अपनी लोकसभा सीटों को वर्तमान 52 से बढ़ाकर 120 से अधिक करने के लिए महत्वपूर्ण है, जो कि प्रमुख विपक्षी दल के लिए भारत ब्लॉक में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए न्यूनतम है, यदि भाजपा को केन्द्र की सत्ता से बेदखल करना है तो। 2003 के विधानसभा चुनावों में सभी राज्यों में हार के बावजूद, 2004 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने इन तीन राज्यों में अच्छा प्रदर्शन किया। वह बीस साल पहले की बात है और प्रधानमंत्री के रूप में कोई नरेंद्र मोदी नहीं थे। कांग्रेस को गंभीरता से आत्मनिरीक्षण करना होगा और देखना होगा कि अगले कुछ महीनों में धारणा को कैसे बदला जा सकता है।

3 दिसंबर के नतीजे मतदाताओं के मूड में एक स्पष्ट दक्षिण-उत्तर विभाजन का संकेत देते हैं। आम तौर पर, पिछला इतिहास बताता है कि एक बार जब कांग्रेस को किसी क्षेत्रीय पार्टी सत्ता से हटाती है, तो सबसे पुरानी पार्टी कभी भी अपने दम पर सत्ता में वापस नहीं आती। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, झारखंड और यहां तक कि बिहार के साथ भी यही स्थिति रही है। तेलंगाना में, यह प्रवृत्ति उलट गई है और इससे कांग्रेस आलाकमान को दक्षिण भारतीय राज्यों, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश और केरल में अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य मिल सकते हैं।

कांग्रेस पार्टी के लिए दिक्कत यह है कि दक्षिणी राज्यों से उसे लोकसभा में ज्यादा सीटें मिलने की गुंजाइश कम है। पार्टी को सबसे ज्यादा फायदा हिंदी भाषी राज्यों से होना है क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में इन राज्यों में प्रदर्शन सबसे निचले स्तर पर था। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के अलावा, अन्य हिंदी भाषी राज्य बिहार, झारखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश हैं। बिहार और झारखंड में कांग्रेस पहले से ही गठबंधन सरकार का हिस्सा है। ताजा नतीजे इन गठबंधन राज्यों में अपने सहयोगियों से अधिक लोकसभा सीटों के लिए कांग्रेस की सौदेबाजी की शक्ति को कम कर देंगे। जहां तक इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का सवाल है, नतीजों ने खतरा भी पैदा किया है और कुछ अवसर भी। कांग्रेस विधानसभा चुनावों में अच्छी जीत की उम्मीद कर रही थी और उस आधार पर, 2024 के चुनावों के लिए सीट बंटवारे के संबंध में बेहतर सौदेबाजी की शक्ति के साथ आगामी विपक्षी गठबंधन बैठक में भाग लेने की योजना बना रही थी। वह लाभ अब नहीं रहेगा। अपमानित और निराश कांग्रेस नेतृत्व सीट बंटवारे के फॉमूर्ले सहित विधानसभा चुनाव के बाद की रणनीति पर चर्चा करने के लिए 6 दिसंबर को इंडिया ब्लॉक की बैठक में भाग लेगा। बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में सहयोगियों के लिए भाजपा की चुनौती कड़ी होगी। खासकर बिहार में यह अपने चरम पर पहुंचेगा जहां भाजपा के सभी हमलों के केंद्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार होंगे। भाजपा यह सोचकर कि जाति जनगणना की मांग को तीन राज्यों में मतदाताओं ने खारिज कर दिया है, आने वाले महीनों में नरेंद्र मोदी की गारंटी के आधार पर जोरदार प्रचार करेगी। जद(यू) और राजद दोनों स्थिति की समीक्षा कर सकते हैं। कांग्रेस को राज्य चुनाव से पहले अपने पहले के अनुमानों के विपरीत कम संख्या में सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का होगा इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला। हाल के हफ्तों में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। यह इस विश्वास का परिणाम था कि पार्टी विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेगी। अब, अखिलेश कांग्रेस पर अपनी शर्तें थोप सकते हैं, तथा अन्य सहयोगी निश्चित रूप से उनका समर्थन करेंगे। अखिलेश इस बात से भी चिंतित हैं कि हिंदी पट्टी में भाजपा की जीत निश्चित रूप से राज्य भाजपा को उत्साहित करेगी जो 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के कारण पहले से ही लाभप्रद स्थिति में है। संक्षेप में, हिंदी भाषी राजनीतिक परिदृश्य इंडिया गुट के लिए अनुकूल नहीं हैं। जो पार्टियां विधानसभा चुनाव नतीजों से थोड़ी भी अछूती रहीं, उनमें तृणमूल कांग्रेस, वामपंथी दल और डीएमके शामिल हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी निश्चित रूप से राज्य की राजनीति में पुनरुत्थान वाली भाजपा का सामना करेगी, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि उनका संगठन बिखरी हुई भाजपा के खिलाफ लोकसभा चुनावों के लिए अच्छी तरह से तैयार है। वह हमेशा चाहती थीं कि सीट बंटवारे पर बातचीत सितंबर में शुरू हो लेकिन कांग्रेस ने नतीजों की घोषणा तक इसमें देरी की। अब जब सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू होगी, तो टीएमसी सुप्रीमो कमजोर कांग्रेस से निपटेंगी, अगर कांग्रेस अंततरू टीएमसी के साथ गठबंधन करने का फैसला करती है। जहां तक दो वामपंथी दलों, सीपीआई और सीपीआई (एम) का संबंध है, सीपीआई को कांग्रेस के साथ गठबंधन के परिणामस्वरूप तेलंगाना में एक सीट मिली। कांग्रेस के साथ सीपीआई (एम) की गठबंधन वार्ता टूट गई। पार्टी ने कुछ सीटों पर चुनाव लड़ा लेकिन उसे कोई सीट नहीं मिली। सीपीआई (एम) ने राजस्थान में अपनी दो सीटें खो दीं। यह पार्टी के लिए बड़ा नुकसान है क्योंकि किसान आंदोलनों के जरिए पार्टी राजस्थान में अच्छा आधार बनाने में सफल रही है। लेकिन लोकसभा चुनाव में सीपीआई (एम) के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम केरल से होगा। कुल 20 सीटों में से सीपीआई (एम) के पास अब केवल एक सीट है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को अन्य 19 सीटें मिली हैं। यह दोनों मोर्चों एलडीएफ और यूडीएफ की संबंधित ताकत के अनुपात से अधिक है। सीपीआई और सीपीआई (एम) दोनों के पास 2024 के लोकसभा चुनावों में यूडीएफ सहयोगियों से सीटें हासिल करने का अच्छा अवसर है।

राजस्थान के भाजपायी विधायक एक्शन में

जिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे निकले हैं, उनमें से एक राजस्थान भी है जहां भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर जीत हासिल की है। अभी वहां न तो सरकार बनी है और न ही मुख्यमंत्री चुने गये हैं, परन्तु उसके विधायक सक्रिय हो गये हैं। उनके एक विधायक कह रहे हैं कि वे माफियाओं को ढूंढ-ढूंढकर नाश्ते में खायेंगे, तो एक अन्य विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के सभी नॉन वेज दुकानों को तत्काल प्रभाव से बंद करने के लिये पुलिस अधिकारियों को फरमान जारी कर रहे हैं। विकास की बजाय उदयपुर के कन्हैयालाल की मौत के आधार पर भाजपा के पक्ष में जनादेश का सम्भवतरू यही साइड इफेक्ट हो सकता है। भाजपा की जीत का यह तत्काल प्रभाव भी कहा जा सकता है। अगर भाजपा के विधायक और नेता अपनी सरकार बनने से ताकत पाकर अभी से ऐसी हरकतें कर रहे हैं तो आने वाले समय में और भी कई उदाहरण देखने को मिल सकते हैं। कहा जा सकता है कि पार्टी तो अभी शुरू हुई है, लेकिन ऐसे बयानों के चलते राज्य का सामाजिक माहौल कैसा बनेगा, उसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। जयपुर के हवामहल से महज 600 वोटों से जीतने वाले बालमुकुंद आचार्य ने विधायक पद की शपथ लिये बिना ही सोमवार को स्थानीय पुलिस को आदेश दे दिया कि शाम तक उनके क्षेत्र के नॉन वेज के सारे ठेले हटाये जायें। उन्होंने पुलिस से कहा कि उनके लाइसेंसों की जांच की जाये और उन्हें दिखलाया जाये। आचार्य ने पुलिस अधिकारियों से यह भी पूछा कि वे स्वयं रिपोर्ट देंगे या उन्हें पुलिस स्टेशन आना पड़ेगा? राजस्थान मिली-जुली संस्कृति का प्रदेश है जहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं। जाहिर है कि उनकी जीवन शैलियों में भी भिन्नता है। खान-पान सम्बन्धी रुचियां भी अलग-अलग हैं। चाहे शाकाहार हो या मांसाहार- सभी धर्मों के लोगों की जीवन पद्धति में दोनों ही तरह के भोजन शामिल हैं। धाम पीठाधिश्वर कहे जाने वाले बालमुकुंद आचार्य का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे अपने मोबाइल पर किसी अधिकारी को निर्देश देते हुए दिखाई दे रहे हैं कि चांदी की टकसाल रोड पर मांसाहार की दुकानें हटा दी जायें। इस सड़क पर जितने भी ठेले खुले में नॉन वेज पदार्थ बिक रहे हैं, वे दिखने नहीं चाहिये। इस वीडियो के वायरल होने के बाद उन्होंने सफाई दी कि वे किसी को धमका नहीं रहे हैं बल्कि निवेदन कर रहे हैं। फिर भी उन्होंने साफ किया कि उन्हें विधायक बनने का सर्टिफिकेट मिल गया है और अब वे किसी मुहूर्त का इंतजार नहीं करेंगे। उनका यह भी आरोप था कि कांग्रेस शासन में अधिकारी टालमटोल करते थे परन्तु वे इस बात को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उनका कहना था कि उनके क्षेत्र के लोग खुले में मांस का व्यवसाय होते देखना पसंद नहीं करेंगे। उनकी शिकायत थी कि इसकी आड़ में गोमांस का भी कारोबार होता है। बालमुकुंद आचार्य अखिल भारतीय संत समाज की राजस्थान शाखा के प्रमुख हैं। वे हर ऐसे मामले में हिन्दुओं का पक्ष लेने पहुंचते हैं जहां किसी भी प्रकार का साम्प्रदायिक टकराव होता है। पिछले दिनों वे अपने एक और बयान के लिये चर्चा में आये थे जिसमें उन्होंने कहा था कि जयपुर के परकोटा क्षेत्र में बड़ी तादाद में मंदिर थे जिन्हें नष्ट किया जा चुका है। उन्होंने ऐसे सैकड़ों मंदिरों के उनके पास प्रमाण होने का भी दावा किया था। उन्होंने यह भी कहा कि अब वे हर रोज ऐसे ही एक मंदिर में जायेंगे जिन्हें ध्वस्त कर दिया गया है। इन मंदिरों के पुनर्निर्माण या जीर्णोद्धार का भी उन्होंने संकल्प ले रखा है। देखना यह होगा कि विधायक बनने के बाद अपने बढ़े हुए रसूख व शक्तियों के साथ वे अपने अभियान को कैसा और किस तरह का अंजाम देते हैं। अब तो सरकार भी उनकी है और यह भी सम्भव है कि वहां बाबा बालकनाथ को मुख्यमंत्री बना दिया जाये। फिर तो उनका संकल्प पूरा होकर ही रहेगा। उधर दूसरी तरफ जयपुर की ही झोटवाड़ा सीट पर जीते भाजपा नेता कर्नल (सेवानिवृत्त) राज्यवर्धन राठौड़ ने चेतावनी जारी कर दी है कि वे अब माफियाओं को ढूंढ-ढूंढकर निकालेंगे और नाश्ते में खाएंगे। उनका भी एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे कहते हैं- मैं माफियाओं को नाश्ते में खाता हूं। जितने माफिया हैं वे कान खोलकर सुन लें कि अगर वे मुझको रोक सकते हैं तो रोक लें। अगर नहीं रोक सकते तो मैं माफियाओं को ढूंढ-ढूंढकर निकालूंगा, नाश्ते में खाऊंगा। हिम्मत है तो मुझे रोककर दिखा दो। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की निवर्तमान अशोक गहलोत सरकार ने लोगों के पक्ष में अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की थीं। राज्य के लोगों के लिये 450 रुपये में रसोई गैस का सिलेंडर दिया जा रहा था। साथ ही अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने का भी ऐलान हुआ था। उनके द्वारा चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना भी लाई गई थी जिसके अंतर्गत किसी भी तरह की बीमारी का 50 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त किया जा रहा था।

सकारात्मकता का पाठ सिखाते मोदी

पांच में से तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में रविवार को मिली छप्पर फाड़ जीत से गदगद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब अगले ही दिन संसद के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने पहुंचे, तो वे उत्साह से इस कदर लबरेज थे कि उन्होंने संसद के द्वार पर विपक्ष को श्सकारात्मकताश का संदेश दिया और नफरत का भाव त्यागने की भी सलाह दी। उन्होंने विपक्ष को समझाया कि श्ऐसा करने से देश का उनके प्रति नजरिया बदलेगा जिसका उन्हें (प्रतिपक्ष को) इसलिये राजनैतिक लाभ भी मिलेगा क्योंकि जनता उनसे (विरोधी दलों से) मोहब्बत करने लगेगी।श प्रधानमंत्री की उन्हें यह भी सलाह थी कि वे विरोध के लिये विरोध छोड़ें। तीन राज्यों में मिली पराजय का गुस्सा छोड़कर विपक्ष को चर्चा में भाग लेने के प्रति आगाह करते हुए पीएम ने उनसे सरकार की कमियों पर सलाह देने के लिये भी आमंत्रित किया। उन्होंने यह भी इशारा किया कि विपक्षी दलों का यह रवैया पिछले नौ वर्षों से चला आ रहा है। जाहिर है कि वे इन शब्दों में अपने ही कार्यकाल का उल्लेख कर रहे थे। एक मजबूत एवं सामर्थ्यवान विपक्ष की जरूरत बतलाकर मोदी ने सबको चकित भी कर दिया। प्रधानमंत्री के ये परामर्श ऊपरी तौर पर तो बेहद नेक नजर आते हैं और कोई भी यह नहीं कह सकता कि इस सीख को विरोधी नेताओं को नहीं अपनाना चाहिये। सवाल तो यह है कि क्या स्वयं मोदी इस कथित नकारात्मकता के भाव से ऊपर उठ चुके हैं? क्या उनमें विरोधी दलों एवं उनके नेताओं के प्रति नफरत का भाव कूट-कूटकर नहीं भरा हुआ है? सकारात्मकता का काढ़ा पिलाने की कोशिश करने वाले मोदी अगर ईमानदारी से अपने इन विचारों और खुद के आचरण पर ही गौर फरमाएं तो पाएंगे कि उनकी कथनी और करनी में धरती-आकाश सा फासला है। फिर भी, क्या ही अच्छा होता कि इस सलाह पर अमल की शुरूआत अगर उन्हीं से होती। जिन नौ वर्षों के दौरान के विपक्ष के रवैये से मोदी व्यथित नजर आये, उसे अगर उन्हीं के बरक्स देखें तो उनका यह वक्तव्य एक बड़े विरोधाभास से कतई कम नजर नहीं आता। अमूनन मीडिया से भागने वाले मोदी अब संसद का सत्र प्रारम्भ होने पर इस तरह से मीडिया के समक्ष संक्षिप्त से उद्बोधन के लिये

नमूदार होने लगे हैं। कम से कम इसका स्वागत तो किया ही जा सकता है। और भी बेहतर होता अगर वे पिछले सभी प्रधानमंत्रियों की परम्परा का निर्वाह करते हुए सत्र की शुरूआत के वक्त प्रेस कांफ्रेंस करते। पत्रकारों से सवाल आमंत्रित करते और उनके जवाब देते। अपने दो कार्यकालों के दौरान यह शायद चौथा या पांचवा मौका रहा होगा जब वे मीडिया के सामने आये। एक ओर तो वे पत्रकारों से बात ही नहीं करते, तो वहीं दूसरी ओर संसद में उनकी उपस्थिति बहुत कम होती है। संसदीय परम्परा के ही अनुसरण में सारे पूर्व प्रधानमंत्री पूरे समय संसद के दोनों सदनों में हाजिर रहा करते थे। मोदी संसद के सत्रों के दौरान सदन के बाहर सभाएं या रैलियां करते फिरते हैं। शून्य काल या प्रश्न काल में वे नजर ही नहीं आते। अक्सर चर्चा खत्म होने के बाद वे आते भी हैं तो उनके भाषणों में विपक्ष के सवालों के सिलसिलेवार या तार्किक जवाब नहीं होते और न ही देश की चिंताओं को वे एड्रेस करते नजर आते हैं। तमाम महत्वपूर्ण विधेयक वे चर्चा के बगैर पास कराते हैं। कोई अगर सवाल करे तो वे या तो उस पर बात ही नहीं करते या फिर ऐसे मुखर सदस्यों की आवाज को अपने सांसदों के शोर-गुल में दबवा देते हैं। इस पर भी उनके लिये उठाये जाने वाले अड़चन भरे सवालों या बयानों को संसदीय कार्यवाही से विलोपित कर दिया जाता है या सदस्यों को ही निलम्बित करा दिया जाता है। इस पर भी मन न भरे तो उनके यहां केन्द्रीय जांच एजेंसियां दस्तक देने लगती हैं। सर्वदलीय बैठक जूनियर मंत्रियों के हवाले कर वे स्वयं बाहर सभाएं करते हैं। सरकार की त्रुटियों पर विपक्ष के विचार आमंत्रित करने का औदार्य दिखलाने वाले ये वही मोदी हैं जो अपनी आलोचना को विरोधियों द्वारा गालियां देना भी बतलाते रहे हैं। ऐसा वे संसद के बाहर व भीतर दोनों जगहों पर करते हैं। उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी या फिर चीन की भारतीय सीमा में घुसपैठ की बात की जाये तो वे इसे देश पर हमला बतलाने लगते हैंय और अगर नोटबन्दी या जीएसटी की असफलताओं पर विपक्ष बात करे तो उसे देशविरोधी करार दिया जाता है। पिछले 70 वर्षों का बिला नागा रोज हिसाब मांगने वाले मोदी से सम्बन्धित कोई सवाल अगर हो तो वे उन्हें मिलने वाली गालियों की संख्या बतलाने लगते हैं। या वे इस बात का रोना रोते हैं कि उन्हें क्या-क्या कहकर और कितने किलो गालियां दी गईं। अगर प्रधानमंत्री खुली चर्चा के इतने ही हिमायती हैं तो उन्हें अपने सांसदों, पार्टी प्रवक्ताओं, आईटी सेल, ट्रोल आर्मी से कहकर विपक्ष की आवाज दबाने के लिये चलाए जा रहे अभियानों को रुकवाना चाहिये। सब जानते हैं कि ऐसा होना सम्भव नहीं है क्योंकि यह मोदी व उनकी भारतीय जनता पार्टी का विपक्ष के खिलाफ एक बेहद अलोकतांत्रिक अभियान का हिस्सा है। मजबूत प्रतिपक्ष की वकालत कर उसे खुली चर्चा का न्यौता ऐसा कोई व्यक्ति दे ही नहीं सकता जो देश को उसकी सबसे पुरानी और आजादी के आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने वाली कांग्रेस से ही मुक्त होने का न केवल सपना दिखाए बल्कि उसका नारा भी दे और ऐसा करने के तमाम अलोकतांत्रिक कदम उठाये। खुद मोदी कांग्रेस एवं सम्पूर्ण विपक्ष को अनेक प्रकार से बदनाम करने के अभियानों का (सफल) नेतृत्व करते आये हैं। वैसे जब प्रधानमंत्री संसद भवन को श्लोकतंत्र का मंदिरश बतलाते हुए विपक्ष को ज्ञान दे रहे थे तो उनकी भाव-भंगिमा में विनम्रता व सहजता नहीं थी। सम्भवतरू वे कांग्रेस पर खास तौर पर तंज कसने और उसका मखौल उड़ाने के लिये प्रकट हुए थे। ऐसा उन्होंने पहली बार नहीं किया। संसद के दस्तावेजों में उनके ऐसे अनेक भाषण संरक्षित होने चाहिये जो विपक्ष एवं राष्ट्र निमार्ताओं के लिये अपमानसूचक शब्दों से भरे पड़े हैं। उनका यही रवैया सदन के बाहर दिये जाने वाले भाषणों में भी रहता है। बहुत पीछे जाकर उनके पुराने वक्तव्यों को उद्धृत करने की बजाये हाल के उनके कुछ बयानों को देखें तो उनका व्यवहार उनकी इस ताजा सीख से एकदम अलग है। पुरानी संसद से नये भवन में जाने के पहले उन्होंने इसी जगह पर कहा था कि श्विपक्ष रोना-धोना छोड़कर नयी शुरूआत करे।श रोने-धोने से उनका आशय वही था जो इस बार की नकारात्मकता से है। यानी उन्हें असहज करने वाले प्रश्न न पूछे जायें और सरकार की हां में हां मिलाई जाये। मोदी की सकारात्मकता का यही आशय है। फिर, सवाल पूछने वाले उनके लिये श्मूर्खों के सरदारश भी हो जाते हैं। अधिक पीछे गये बगैर मोदी के पिछले नौ वर्षों के राजनैतिक सफर को देखें तो कह सकते हैं कि सकारात्मकता अपनाने का जो संदेश वे दे रहे हैं उसकी शुरूआत उन्हीं से किये जाने की सख्त जरूरत है। आजाद मुल्क के गौरवशाली संसदीय इतिहास व लोकतांत्रिक विरासत को हमेशा गरियाने और विपक्ष विहीन भारत का नारा बुलन्द करने वाले मोदी ने जो बातें सोमवार को संसद भवन की दहलीज पर कीं, उसके एक छोटे से हिस्से पर भी वे अमल करें तो देश का न केवल लोकतंत्र बचा रहेगा वरन देश भी बच जायेगा।

बाबा बालकनाथ को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाकर कई संदेश देना चाहती है भाजपा

राजस्थान के वर्तमान राजनीतिक हालात की बात करें तो नवनिर्वाचित विधायकों का पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलना जारी है, जिसे शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। वसुंधरा राजे खेमे के नेताओं ने दावा किया है कि अब तक लगभग 68 विधायक उनके आवास पर उनसे मिल चुके हैं। राजस्थान में विधानसभा चुनावों से पहले सबसे बड़ा सवाल था कि रिवाज बदलेगा या राज? जनता ने राज बदल कर रिवाज कायम रखा और इस बार सत्ता की बागडोर भाजपा को सौंप दी। भाजपा के हाथ में सत्ता की कमान आने के बाद अब पार्टी को फैसला करना है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा? देखा जाये तो पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री पद की प्रबल दावेदार हैं लेकिन आलाकमान के रुख को देख कर लगता नहीं कि उन्हें इस बार सरकार का नेतृत्व करने का अवसर मिलेगा। वसुंधरा राजे जिस तरह पांच साल विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए घर से नहीं निकलीं और अंतिम समय में कुर्सी की चाहत रख रही हैं वह जनता को भी नहीं भा रहा है। इस बीच, राजस्थान में नए मुख्यमंत्री को लेकर जारी कयासों के बीच भाजपा के राज्य प्रभारी अरुण सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री के संबंध में पार्टी के संसदीय बोर्ड का फैसला सभी को मान्य होगा। दूसरी ओर, नवनिर्वाचित विधायकों का पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलना जारी है, जिसे शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। वसुंधरा राजे खेमे के नेताओं ने दावा किया है कि अब तक लगभग 68 विधायक उनके आवास पर उनसे मिल चुके हैं। हम आपको बता दें कि राज्य में विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 199 सीटों में से 115 पर जीत हासिल की है। राजस्थान में अटकलें तो ऐसी भी हैं कि वसुंधरा राजे से अपने अच्छे राजनीतिक रिश्ते स्वीकार कर चुके निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जरूरत पड़ने पर कांग्रेस विधायकों का समर्थन वसुंधरा राजे को दिलवा सकते हैं। लेकिन वसुंधरा भाजपा से बगावत करेंगी, ऐसी संभावनाएं बेहद कम हैं। हम आपको यह भी बता दें कि भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे 2003 से 2008 और 2013 से 2018 तक दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। 2018 में भाजपा की हार और पार्टी के भीतर बदले हालात के बाद ऐसा माना जाने लगा था कि वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया गया है। पहले के चुनावों में वह मुख्यमंत्री का चेहरा थीं लेकिन इस विधानसभा चुनाव में पार्टी ने ऐसी

कोई घोषणा नहीं की तथा पार्टी के चुनाव चिन्ह 'कमल' और प्रधानमंत्री मोदी के नाम को आगे कर चुनाव लड़ा। हम आपको बता दें कि फिलहाल मुख्यमंत्री पद की दौड़ में अलवर के सांसद और तिजारा से विधानसभा चुनाव जीते बाबा बालकनाथ सबसे आगे चल रहे हैं। बाबा बालकनाथ के व्यक्तित्व का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी हाल में उनके एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यही नहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाबा बालकनाथ के नामांकन के समय आये थे और उनके समर्थन में जनसभा को भी संबोधित किया था। यही नहीं, योग गुरु बाबा रामदेव तथा देश के कई प्रमुख संतों ने राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान जनता से बालकनाथ को चुनाव जिताने की अपील की थी। देखा जाये तो सांसद बालकनाथ को उतार कर तिजारा विधानसभा सीट जीतने की जो रणनीति भाजपा ने बनाई थी वह सफल रही। अब माना जा रहा है कि भाजपा बालकनाथ को राजस्थान की कमान सौंप कर विपक्ष को कई संदेश भी देना चाहती है। देखा जाये तो अशोक गहलोत की सरकार के दौरान राजस्थान में तुष्टिकरण की राजनीति को जिस तरह बढ़ावा दिया गया उसके चलते रामनवमी और अन्य हिंदू त्योहारों पर दंगे और उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड जैसी घटनाएं देखने को मिलीं। धार्मिक प्रवृत्ति वाले इस शांत प्रदेश से लगातार अशांति की जो खबरें आईं वह देश के लिए भी चिंता का विषय बनीं इसीलिए भाजपा एक संत को कमान सौंपने पर विचार कर रही है। दूसरा, जिस तरह विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने सनातन धर्म पर लगातार हमले किये उसकी काट के लिए एक संत को कमान सौंप कर भाजपा देश भर के हिंदुओं को भी संदेश देना चाहती है कि एक तरफ कुछ लोग सनातन धर्म पर हमला कर रहे हैं तो दूसरी ओर भाजपा सत्ता की कमान संतों को दे रही है। इसके अलावा जिस तरह भाजपा के हिंदुत्व एजेंडे की काट के लिए अन्य पार्टियों के नेता भी चुनावों के दौरान मंदिर मंदिर जाते हैं उसको देखते हुए भी भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि हिंदुत्व की राह पर चलने वाली असली और मूल पार्टी वही है। भगवा पर हो रहे राजनीतिक हमलों को देखते हुए भाजपा भगवा को ही राजस्थान की राजनीति की कमान सौंपने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसके अलावा बालकनाथ मूल रूप से यादव समाज से आते हैं जोकि ओबीसी श्रेणी में आता है। विपक्ष के नेता जाति जनगणना और ओबीसी का मुद्दा आजकल खूब उठा रहे हैं इसीलिए बालकनाथ का नाम आगे बढ़ाकर भाजपा विपक्ष के सारे अभियान की हवा निकाल देना चाहती है। इन सब वजहों से महंत बालकनाथ इस समय मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। जहां तक उनके व्यक्तिगत परिचय की बात है तो आपको बता दें कि उनका जन्म 16 अप्रैल 1984 को कोहरणा गांव के एक किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने साढ़े छह साल की उम्र में संन्यास अपना लिया था और घर छोड़ कर आश्रम चले गये थे। बाल्यकाल में बाबा खेतानाथ ने उनका नाम गुरुमुख रखा था। वह 1985-1991 तक मत्स्येंद्र महाराज आश्रम में रहे थे उसके बाद वह महंत चांदनाथ के साथ हनुमानगढ़ जिले के नाथावली थेरी गांव में एक मठ में चले गए थे। बालकनाथ नाथ सम्प्रदाय के आठवें मुख्य महंत भी हैं। उल्लेखनीय है कि नाथ संप्रदाय में गोरख पीठ को इस संप्रदाय का अध्यक्ष माना जाता है और रोहतक की पीठ को उपाध्यक्ष। इस नाते बालकनाथ नाथ संप्रदाय के आठवें महंत माने जाते हैं। वह एक तरह से योगी आदित्यनाथ के गुरु भाई भी हैं। हम आपको बता दें कि महंत चांदनाथ ने 29 जुलाई 2016 को बालकनाथ को अपने उत्तराधिकारी के रूप में घोषित किया था। उस समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और योग गुरु बाबा रामदेव ने भी भाग लिया था। महंत बालकनाथ सांसद और विधायक होने के अलावा समाज सुधारक, वक्ता व आध्यात्मिक गुरु भी हैं। वह बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं। हमेशा भगवा वस्त्र पहनने वाले और आध्यात्मिक छवि वाले बाबा बालकनाथ की गिनती भाजपा के फायर ब्रांड नेताओं में होती है। वह खुलकर हिंदुत्व की बात करते हैं और जब वह विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन भरने आये थे और चुनावों के लिए प्रचार कर रहे थे तब कई बार वह बुलडोजर से गये थे और अपराधियों को तीन दिसंबर तक प्रदेश छोड़ने की चेतावनी दे दी थी। हम आपको बता दें कि राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान विभिन्न सर्वेक्षणों में भी बाबा बालकनाथ मुख्यमंत्री पद के लोकप्रिय दावेदार बनकर उभरे थे। बहरहाल, बाबा बालकनाथ के राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने की बढ़ती हुई संभावनाओं को देखते हुए संत समाज में खुशी की लहर है। आल इंडिया अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज और निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर ललितानंद गिरी महाराज ने कहा है कि बाबा बालकनाथ की छवि सिर्फ राजस्थान में ही नहीं बल्कि पूरे देश में बहुत अच्छी है। यदि वह मुख्यमंत्री बनते हैं तो इससे समाज में एक अच्छा संदेश जायेगा।

सर्दियों में झटपट बनाएं यह खास सूप, सेहत के लिए है फायदेमंद, जानिए बनाने की रेसिपी

सर्दियों में सूप पीने के कई फायदे होते हैं। ठंड के मौसम में लोग गर्माहट के लिए सूप पीते हैं। सर्दियों में लोग अलग-अलग सब्जियों का सूप बनाते हैं। पीने में

यह स्वादिष्ट तो होते ही हैं। इसके साथ ही इनमें मौजूद कई पोषक तत्व हमारी सेहत के लिए बेहद फायेदमंद होते हैं। इसलिए हम सभी को घर पर सूप बनाकर पीना चाहिए। वैसे सूप कई तरह से बनाए जाते हैं, जिसे आप अपनी पसंद के हिसाब से बना सकते हैं। आपको एक बार वियतनामी सूप को जरूर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। इसकी रेसिपी हम आपको अपनी इस स्टोरी में बताएंगे। वियतनामी सूप न काफी स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि बनाना भी आसान होता है।

सूप बनाने के लिए सबसे पहले आप सभी सामग्रियों को इकट्ठा कर लें। इसके बाद आप दो कप पानी लें और गैस पर गर्म करने के लिए रख दें। पानी को हल्का गर्म होने के बाद इसमें नूडल्स और नमक डालकर उबाल लें। इसके बाद पैन में तेल डालकर गैस पर रख दें। तेल के गर्म होने के बाद इसमें कटा प्याज, अदरक और लहसुन डालकर पकाएं। जब खुशबू आने लगे तो बाकी सामग्री भी मिला दें।

बीन्स, गाजर, गोभी या हरा धनिया आदि पकने लगे, तो ऊपर से नमक डालें और पकने दें। फिर इन्हें अच्छी तरह मिलाकर एक-दो मिनट तक पकाएं।

इसके बाद इसमें गरम मसाला, चिली सॉस, सोया सॉस, काली मिर्च भी डालें और हल्की आंच पर पकने दें। इसके बाद इसमें पानी डालकर करीब 10 मिनट तक पकाएं। अंत में पका नूडल्स और जीरा डालकर गैस बंद कर दें। अब आपको सूप बनकर तैयार हो गया है। इसमें ऊपर से हरा धनिया और तिल डालकर परोसें।

बनाने की सामग्री

नूडल्स- 200 ग्राम
कटी हुई प्याज- 2
पत्ता गोभी- 1 (बारीक कटी)
गाजर- 1 (कटी हुई)
अदरक- 1 इंच
लहसुन- 4 कली
काली मिर्च पाउडर- 1 चम्मच
चिली सॉस- 3 चम्मच
सोया सॉस- 2 चम्मच
जीरा पाउडर- 1 छोटा चम्मच
नमक- स्वादानुसार
जीरा पाउडर- 1 छोटा चम्मच
पनीर- 4 पीस

सर्दियों में चाय नहीं पीएं दालचीनी का काढ़ा, मिलेंगे कई सारे फायदे

सर्दियों के मौसम में कई तरह की मौसमी बीमारियों और वायरल फ्लू होने का खतरा रहता है। इस समस्याओं से बचाव के लिए लोग हेल्दी डाइट लेते हैं ताकि इम्यूनिटी स्ट्रांग हो और बीमारी से लड़ने के लिए शरीर में ताकत हो। आप दालचीनी का काढ़ा भी अपनी डाइट में शामिल करें। इस काढ़े को पीने से सर्दी- जुकाम और वायरल जैसी समस्याओं से बचाव होता है। दालचीनी में मौजूद थायमिन, कैल्शियम, नियासिन, विटामिन और पोटेशियम पीने से शरीर अंदर से स्ट्रांग करते हैं। आइए आपको बताते हैं दालचीनी का काढ़ा बनाने पीने के फायदे और इसे बनाने की विधि...

दालचीनी का काढ़ा पीने के फायदे

वेट लॉस

वजन को कंट्रोल करना चाहते हैं तो दालचीनी और अदरक की चाय के काढ़े का सेवन करें। इसमें मौजूद पोषक तत्व वजन को कंट्रोल करने में मददगार हैं।

सर्दी-जुकाम

सर्दी-जुकाम से बचाव के लिए आप दालचीनी और अदरक का काढ़ा पी सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी वायरल, एंटी- बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज, सर्दी- जुकाम की समस्या को दूर करने में फायदेमंद होती है।

जॉइंट पेन

सर्दियों में होने वाले जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या से बचाव के लिए आप दालचीनी और अदरक का काढ़ा पी सकते हैं। इस चाय में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, यहां सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

ऐसे बनाएं दालचीनी का काढ़ा

सामग्री

दालचीनी- 1 चम्मच
अदरक- आधा कटा हुआ
तुलसी के पत्ते- 3-4
काली मिर्च पाउडर- 1 चम्मच
मुनक्का- 1 से 2
लौंग- 3-4
हल्दी पाउडर- आधा चम्मच

दालचीनी का काढ़ा बनाने का तरीका

इस काढ़े को बनाने के लिए एक पैन में पानी डालें और उसमें अदरक, दालचीनी, तुलसी का पत्ता, काली मिर्च पाउडर, लौंग, मुनक्का और हेल्दी पाउडर डालें। इसके बाद इस पानी को कम से कम 15- 20 मिनट के लिए उबलने के लिए छोड़ दें। उबल जाने के बाद इस पानी को छान लें और हल्का ठंडा होने दें। स्वाद के लिए शहद मिला लें। तैयार है आपका दालचीनी का काढ़ा। इसे आप सुबह को चाय की जगह पीएं।

सर्दियों में बर्तन धोने से कतराता है दिल? इन ट्रिक्स से चुटकियों में करें साफ

सर्दी के मौसम में लोग पानी से जुड़े कम ही काम करना पसंद करते हैं, क्योंकि पानी ठंडा होता है और हाथ में बर्फ जैसे ठंडे हो जाते हैं। लेकिन बर्तन धोना एक ऐसा काम है जो हर महिला को मजबूरी में करना ही होता है। न चाहते हुए बर्तन साफ करने के लिए ठंडे पानी में हाथ डालना ही पड़ता है। हालांकि अगर सर्दियों में आपका बर्तन धोने का मन बिल्कुल ही करता है और कोई आसान ट्रिक की तलाश में हैं तो ये स्टोरी आपके लिए है...

ग्लव्स का करें इस्तेमाल

सर्दियों में साफ बर्तन को धोने के लिए ग्लव्स का इस्तेमाल करना एक बहुत अच्छा ऑप्शन है। इससे आपको ठंड भी कम लगती है और आपके हाथों की सॉफ्टनेस भी बनी रहती है। ऐसे में बर्तन धोने से पहले हाथों में ग्लव्स पहन लें। साथ में सिंक में ढेर सारे बर्तन इक्ट्ठा करने के बजाए थोड़े- थोड़े बर्तनों को धोते रहें।

गर्म पानी से धोएं बर्तन

सर्दियों में बर्तनों को चुटकियों में चमकाने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल बेस्ट होता है। ऐसे में बर्तन धोने से पहले सारे बर्तनों को गर्म पानी में भिगो लें। कुछ समय के बाद बर्तनों को निकालकर स्पंज से रह करने से बर्तन जल्दी साफ हो जाएंगे।

जले बर्तनों को ऐसे करें चुटकियों में क्लीन

सर्दियों में जले बर्तनों को साफ करना काफी मुश्किल काम होता है। ऐसे में नमक की मदद से आप बर्तनों तो आसानी से चमका सकते हैं। इसके लिए स्क्रब पैड पर नमक और डिश वॉश लगाकर बर्तनों को रब करें। इससे जले हुए बर्तन आसानी से साफ हो जाएंगे।

ये है सर्दियों में बर्तन चमकाने का बेस्ट तरीका

1. सर्दियों में सभी तरह के बर्तनों को मिनटों में क्लीन करने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खे ट्राई कर सकते हैं।

2. इसके लिए सिंक की नाली बंद करके बर्तनों को इसमें डालें और सिंक में पानी भर दें।

3. अब इस पानी में 2 चम्मच बेकिंग सोडा, 2 चम्मच सिरका, नींबू का रस और 1 कप हाइड्रोजन पेरोक्साइड मिक्स कर दें।

4. 15 मिनट बाद साफ पानी से धोने पर बर्तन बिल्कुल नए जैसे चमक जाएंगे।

बहुत जिंदादिल थे अभिनेता दिनेश फडनीस : आदित्य श्रीवास्तव

अभिनेता आदित्य श्रीवास्तव ने सीआईडी के अपने सह-अभिनेता दिनेश फडनीस के असामयिक निधन पर दुख जताते हुए कहा कि वे एक परिवार की तरह थे।

शो में सीनियर इंस्पेक्टर अभिजीत का किरदार निभाने वाले आदित्य ने आईएएनएस को बताया, ष्आधी रात 12.08 बजे वह हमें छोड़कर चले गए। उन्हें एक दवा का रिएक्शन हुआ, जिसके कारण लिवर में

समस्या हो गई और फिर मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर की स्थिति पैदा हो गई। वह पिछले दो-तीन दिनों से अस्पताल में भर्ती थे और कल उनका निधन हो गया।

सुपर 30 फेम अभिनेता ने कहा, हमारा एक-दूसरे के साथ लंबे समय से जुड़ाव था, यह परिवार की तरह था। हम शो के लिए 20 साल से अधिक समय तक एक साथ थे। हम अलग-अलग मौकों और परिस्थितियों में मिलते थे। जिस तरह से वह स्क्रीन पर थे, वैसे ही वह असल जिंदगी में भी थे। वह बहुत जिंदा दिल थे। वो खुशमिजाज, देखभाल करने वाला एक अच्छा दोस्त था। 55 वर्षीय अभिनेता ने कहा, हमने एक साथ बहुत समय बिताया है। एक टीम लंबे समय तक चलती है, जब आपके साथ समान विचारधारा वाले लोग होते हैं।

जो वार्डन अवैतनिक रहकर नागरिक सुरक्षा के लिए कार्य करते हैं वो भी निस्वार्थ भाव से सामाजिक कार्य के लिए डटे रहते हैं : जिलाधिकारी

बरेली । नागरिक सुरक्षा कोर के 61वें स्थापना दिवस के छठवें व अंतिम दिन कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नागरिक सुरक्षा कोर बरेली के तत्वावधान में जिलाधिकारी /नियंत्रक रविन्द्र कुमार ने नागरिक सुरक्षा के ध्वजा उत्तोलन कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा के ध्वज को फहराया। इसके बाद संविधान निर्माता व भारत रत्न बाबा साहब डा0भीमराव अंबेडकर जी की पुण्य तिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उनके साथ ए0डी0एम0(सिटी) सौरभ दुबे व उपनियंत्रक राकेश मिश्र ने भी डा0भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पुष्पांजलि अर्पित की। जिलाधिकारी ने राष्ट्रपति , महानिदेशक नागरिक सुरक्षा भारत सरकार एवं पुलिस महानिदेशक नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश द्वारा दिए गए बधाई संदेश को पढ़कर सबको सुनाया। उपस्थित वार्डेन्स को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी /नियंत्रक ने नागरिक सुरक्षा के वैतनिक व अवैतनिक पदाधिकारियों को नागरिक सुरक्षा के 61वें स्थापना दिवस की व उनके कार्य व समर्पण के भाव की बधाई दी ।कहा कि जो वार्डन अवैतनिक रहकर नागरिक सुरक्षा के लिए कार्य करते हैं वो भी निस्वार्थ भाव से सामाजिक कार्य के लिए डटे रहते हैं, उसके लिए उनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है ।उन्होंने अपने झांसी व बुलन्दशहर में जिलाधिकारी/ नियंत्रक रहते हुए नागरिक सुरक्षा से संबंधित संस्मरण सुनाए और कहा कि नागरिक सुरक्षा के वार्डेन्स ने पिछले वर्षों में सांप्रदायिक सौहार्द,आपदाओं,कोरोना काल में जो कार्य किए वे सब अनुकरणीय व प्रशंसनीय हैं। इसके साथ उन्होंने वार्डेन्स से अपेक्षा की कि जहां जहां मतदान कम होता है, ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां मतदाताओं में जागरूकता लाने व उन्हें मतदान करने के लिए प्रेरित करें। इस हेतु जागरूकता कार्यक्रम किए जाएं। ए0डी0एम0सिटी सौरभ दुबे ने वार्डेन्स के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह तन मन से समाज सेवा में डटे रहना है। सभी वार्डन बिना किसी फल की चिन्ता किए अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हैं, उसकी उन्होंने हृदय से प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। उप नियंत्रक, नागरिक सुरक्षा राकेश मिश्र ने नियंत्रक के समक्ष इस वर्ष वार्डेन्स द्वारा किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस वर्ष 90 से अधिक प्रशिक्षण कार्य,विभिन्न जागरूकता के कार्य,जोगी नवादा में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति में वार्डन द्वारा स्थिति को सामान्य बनाने में प्रशासन का पूर्ण सहयोग किया। इसके अतिरिक्त कुष्ठ आश्रम में भोजन,वस्त्र,फल वितरण कार्य किए ।लोगों को हृदय आघात होने पर सी0पी0आर0 का प्रशिक्षण दिया। हमारे वार्डन शासन प्रशासन की सहायता के लिए सदैव तैयार रहते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए चीफ वार्डन राजीव शर्मा ने मुख्य अतिथि जिलाधिकारी , विशिष्ट अतिथि ए0डी0एम,सिटी, सौरभ दुबे का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह में राष्ट्रीय चिन्ह के प्रतीक अशोक की लाट भेंट की। सभी वार्डन साथियों का आभार व्यक्त किया। आज के इस कार्यक्रम में दोनों सहायक उप नियंत्रक पंकज कुदेशिया व प्रमोद डागर सहित डिविजनल वार्डन सर्व रंजीत वशिष्ठ ,डिविजनल वार्डन दिनेश यादव डिविजनल वार्डन हरिओम मिश्रा ,डिविजनल वार्डन (आ) शिवलेश चन्द्र पाण्डेय, सुनील यादव , संजय पाठक , डा0उस्मान नियाज़ , बृजेश पाण्डेय, अनवर हुसैन, हरीश भल्ला, कंवलजीत सिंह, आर. वी.तिवारी, अनिल कुमार शर्मा, मो0फरहान, गिरीश साहनी, अंशू कपूर, विवेक मिश्रा, जहीर अहमद, सचिन जोशी, गीता दोहरे,छाबरा , रानी सिंह सहित 150 से ऊपर वार्डन उपस्थित थे। संचालन डिप्टी डिविजनल वार्डन कलीम हैदर सैफी ने किया।

मिर्ची से लदे टेंपो को बदायूं हाइवे पर वाहन ने मारी टक्कर, चालक की मौत

बरेली। टेंपो से मिर्ची बेचने डेलापीर मंडी जा रहे युवक को बदायूं हाइवे पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे

में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है। भमोरा थाना क्षेत्र के आलमपुर जाफराबाद गांव का रहने वाला खुशालीराम (50) मंगलवार देर रात मिर्ची बेचने टेंपो से डेलापीर सब्जी मंडी जा रहे थे। चाढ़पुर के पास टेंपो में अज्ञात वाहन की टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई और टेंपो पलट गया। मौका देखकर आरोपी चालक वाहन समेत फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। टेंपो को कब्जे में लेकर थाने भेजा। वहीं चालक की तलाश शुरू कर दी। मृतक के भाई वीरपाल ने बताया कि खुशीराम की जेब में रखे कागज से नंबर मिला। पुलिस ने परिवार में हादसे की सूचना दी। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी प्रेमवती का रो–रोकर बुरा हाल है। प्रेमवती ने बताया कि उनके पति खेती करके बच्चों का पालन पोषण करते थे। उनके दो बेटे है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पखवाड़े के तहत बालिकाओं को कराया गया ऐतिहासिक व अन्य स्थलों का एक्सपोजर विजिट

बरेली। राष्ट्रीय मानव सेवा संस्था द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पखवाड़ा के अंतर्गत जनपद बरेली में महिला कल्याण विभाग की ओर से श्रीमती मोनिका राणा जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान राष्ट्रीय अध्यक्ष बिंदु सक्सेना के नेतृत्व में कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय सुभाषनगर की छात्राओं के साथ

एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया छात्रों को बस द्वारा पहले महिला थाने सुरक्षा व्यवस्था बताई गई उसके बाद 300 बेड हॉस्पिटल खुर्रम गोटिया में महिला सुरक्षा हूं पुलिस कार्रवाई काउंसलिंग मेडिकल सुविधा बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था से अवगत कराते हुए बरेली के प्राचीन जगन्नाथ मंदिर के दर्शन कराए गए तुलसी स्थल मंदिर के दर्शन कराए गए और प्राचीन इतिहास मंदिर का बच्चों के समक्ष समझाया गया। उक्त कार्यक्रम में श्रीमती मोनिका राणा जिला प्रोबेशन अधिकारी सौरभ सिंह संरक्षण अधिकारी सोनम शर्मा महिला कल्याण अधिकारी ,श्रीमती चंचल गंगवार केंद्र प्रबंधक वन स्टॉप सेन्टर बरेली, दिनेश कुमार, देवेंद्र कुमार महिला कल्याण विभाग बरेली, राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बिंदु सक्सेना , नरेन्द्र पाल राष्ट्रीय महामंत्री, राकेश मौर्य उपाध्यक्ष रामकिशोर, श्रीमती नीलम शर्मा, श्रीमती मधुरिमा चंद्रा अध्यापिका कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सुभाषनगर व अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बिंदु द्वारा बालिकाओं को महिला थाना बरेली, वन स्टॉप सेंटर बरेली, जगन्नाथ टेम्पल बरेली, तुलसी मठ स्थलों का विजिट कराया गया।

सबसे अधिक जरूरतमंद तक सरकारी योजनाएं पहुंचाने में मददगार होगा प्रशिक्षण : एमएलसी

विकासखंड फरीदपुर व भुता में द्वितीय बैच शुरू

फरीदपुर (बरेली)। सबसे अधिक जरूरतमंद तक सरकारी योजनाएं पहुंचाने में मददगार होगा यह प्रशिक्षण यह विचार मुख्य अतिथि एमएलसी कुंवर महाराज सिंह ने विकासखंड फरीदपुर सभागार में दो दिवसीय प्रशिक्षण के द्वितीय बैच का शुभारंभ करते हुए कहे। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी और कहा कि प्रशिक्षकों द्वारा जो जानकारी प्रदान की जा रही है वह सराहनीय है इस जानकारी से हम एनआरएलएम के उद्देश्यों को पूर्ण कर सकेंगे। सतत् विकास लक्ष्य के स्थानीयकरण के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रशिक्षण मील का पत्थर साबित होगा यह विचार राज्य प्रशिक्षक वरिष्ठ समाजसेवी अमित कुमार सिंह तोमर ने व्यक्ति किए। श्री तोमर ने कहा कि पीआरआई और एसएचजी के बीच अभिसरण जरूरी है जिसके लिए यह दो दिवसीय अनावासीय प्रशिक्षण का बहुत महत्व है। श्री तोमर बुधवार को विकास खंड फरीदपुर के सभागार में ग्राम प्रधानों और स्वयं सहायता समूहों के दो दिवसीय अनावासीय पीआरआई एवं एसएचजी कन्वर्जेंस प्रशिक्षण में द्वितीय बैच के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। प्रशिक्षण का शुभारंभ मुख्य अतिथि एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, खंड विकास अधिकारी मनोज कुमार वगोरिया पीसीएस, राज्य प्रशिक्षक वरिष्ठ समाजसेवी अमित तोमर ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इस अवसर एडीओ पंचायत ख़्वाजा अहमद, पंचायती राज के राज्य प्रशिक्षक बरिष्ठ समाजसेवी अमित कुमार सिंह तोमर, मास्टर ट्रेनर सोनल तोमर, ग्राम प्रधान ओमवीर गुर्जर, प्रधान रमपुरारत्न अशोक कुमार सिंह, बकैनिया सरोज देवी, लौंगपुर सुदामा तोमर सहित वी ओ की सदस्य समूह सखी अर्चना, श्रीदेवी, रजनीश, सरस्वती, सुधा देवी उपस्थित रहीं। प्रशिक्षकों द्वारा प्रार्थना के साथ सत्र का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण के नियम सहित प्रशिक्षण के उद्देश्य पर राज्य प्रशिक्षक अमित तोमर द्वारा चर्चा की गई। तद्उपरातं प्रशिक्षकों द्वारा पीपीटी, चार्ट, चर्चा, समूह कार्य, प्रस्तुतीकरण एवं सफल कार्यों पर फिल्म आदि के माध्यम से पंचायती राज व्यवस्था, ग्राम सभा, पंचायत समितियां, ग्राम सचिवालय और सचिवालय पर उपलब्ध योजनाएं, सतत विकास लक्ष्य का स्थानीयकरण आधारित ग्राम पंचायत की वार्षिक योजना जीपीडीपी तैयार करने की प्रक्रिया, ई ग्राम स्वराज पर कार्य योजना अपलोड करने हेतु आवश्यक चरण सहित स्वयं सहायता समूह की अवधारणा, समूह गठन, कार्य एवं दायित्वों पर प्रशिक्षण की विभिन्न विधियों द्वारा सफलता पूर्वक समझाया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस में एडीओ आईएसबी, ब्लॉक मिशन मैनेजर आदि का विशेष सहयोग रहा। अंत में द्वितीय दिवस में सभी से प्रतिभाग करने की अपील भी की गई। इसी क्रम में विकासखंड भुता में प्रशिक्षण का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख जगमोहन सिंह यादव ने किया।

करोड़ों फूंककर चौड़ी की गई सड़कों- फुटपाथों पर जम गए अतिक्रमणकारी

बरेली। शहर में एक तरफ सड़कों को चौड़ा करने के लिए करोड़ों फूंकने के बाद चहुंओर विकास का ढिंढोरा पीटा जा रहा है, दूसरी ओर इन्हीं सड़कों के अतिक्रमण की वजह से लगातार सिकुड़ने की अनदेखी की जा रही है। फुटपाथ तो हर तरफ घिरे ही हुए हैं, हालत यह है कि अवैध कब्जों की वजह से कई सड़कों की चौड़ाई आधी भी नहीं रह गई है। डेलापीर चौराहे से सेंट फ्रांसिस स्कूल के बीच 40 फुट चौड़ी सड़क कब्जों की वजह से सात फुट चौड़ी भी नहीं रह गई है। शील चौराहे से डेलापीर चौराहे तक जुड़ी सड़कों पर कहीं भी फुटपाथ खाली दिख जाए तो बड़ी बात है। कई किलोमीटर की इन सड़कों के फुटपाथ पर कहीं स्ट्रीट फूड के स्टॉल सजे हुए हैं तो कहीं पार्किंग बना ली गई है। फुटपाथ के साथ सड़कों पर भी बेतहाशा अतिक्रमण है। इस वजह से इन सड़कों पर मुख्य बाजार की तरह ट्रैफिक न होने के बावजूद सुबह से लेकर देर रात तक आसानी से निकलना मुमकिन नहीं लगता। शील चौराहे से स्वयंवर बरातघर तक सड़क को बीडीए ने चौड़ा किया था लेकिन

बेतहाशा अतिक्रमण की वजह से यह सड़क अब इतनी तंग हो गई है कि शाम की भीड़भाड़ में इस पर निकलना भी दुश्वार हो जाता है। इस रोड पर फुटपाथ के साथ सड़क पर भी अतिक्रमण है। चौराहे के पास मॉल है जहां फुटपाथ पर वाहनों के लिए पार्किंग बना ली गई है। कब्जे इतने ज्यादा हैं कि बांके बिहारी मंदिर तक फुटपाथ पूरी तरह गायब हो चुका है। फुटपाथ पर ही लोगों ने क्यारियां तक बना ली हैं। नगर निगम की ओर से कब्जा करने वालों को कभी नोटिस तक जारी नहीं किया गया है। स्वयंवर बरात घर चौराहे पर ही फुटपाथ गायब है। इसके आगे कोचिंग चलाने वालों ने फुटपाथ को पार्किंग बना लिया है। इसके सामने भी फुटपाथ के ऊपर नर्सिंग होम ने ढलाननुमा निर्माण करा लिया है ताकि उस पर स्ट्रेचर उतारी जा सके। मंदिर के आगे होटल और नर्सिंग होम में आने वाले लोगों के वाहन सड़क पर भी खड़े होते हैं। फुटपाथ पर चलने लायक जगह नहीं बची है, इसलिए पैदल लोग सड़क पर ही चलते हैं। डेलापीर से सेंट फ्रांसिस स्कूल तक 40 फुट चौड़ी सड़क की रह गई सात फुट चौड़ाई करीब 40 फुट चौड़ा रास्ता भी कैसे सात फुट चौड़ाई तक सिमट सकता है, यह देखना हो तो डेलापीर चौराहे पर देखा जा सकता है। यहां नर्सिंग होम चलाने वालों ने यातायात व्यवस्था की परवाह किए बगैर फुटपाथ पर कब्जा जमा लिया है। पहले फुटपाथ पर ही उनके वाहन खड़े होते थे जो अब सड़क पर भी खड़े होने लगे हैं। सड़क की एक लेन वाहनों की भरमार की वजह से छिप गई है। 40 फुट चौड़ाई की सड़क पर इस कदर अवैध कब्जे हैं कि उस पर दो कारें एक साथ निकलना मुश्किल हो जाता है। टीबरीनाथ मंदिर की तरफ बढ़ने से पहले चौराहे के आगे दवा की दुकान और कई और दुकानदारों ने फुटपाथ का कुछ न कुछ हिस्सा कब्जा रखा है। हालांकि इस मार्ग पर कई जगह अब भी फुटपाथ पर पैदल चलने लायक जगह बची है लेकिन कुछ जगहों पर फुटपाथ को पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

आम सभा में उठीं कर्मचारियों की समस्याएं, निस्तारण के लिए दिया क्षेत्रीय प्रबंधक को ज्ञापन

बरेली। कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर एवं परिवहन निगम के विकास के लिए पुराना बस स्टेशन बरेली पर एक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडी मिश्रा प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा की गई। इस दौरान मुख्य वक्ता प्रांतीय महामंत्री ने बताया कि वह लगातार यूपी रोडवेज इम्पलाइज यूनियन के बैनर तले विभिन्न मांगोंं को लेकर प्रयासरत हैं। कई बार प्रदर्शन भी किया गया। आज फिर वह इस सभा के माध्यम से अवगत कराना चाहते है कि मंडलीय परिवहन विकास एवं निजीकरण का विरोध और अनुबंधित बस मालिकों द्वारा अपने–अपने परिचालक रखने की अनुमति का विरोध–संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जाये, मृतक आश्रितों की नियमित नियुक्ति तत्काल की जाये। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को परिवहन निगम से संबद्ध किया जाये तथा पारिश्रमिक बकाया दिया जाये। यूनियन के क्षेत्रीय मंत्री रविन्द्र पाण्डेय ने कहा कि वह इस बैठक के माध्यम से बताना चाहते हैं कि अगर जल्द ही कर्मचारियों की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आगे जाकर वह चक्काजाम आंदोलन भी करेगें। बैठक के बाद उन लोगों ने क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक चौधरी को एक ज्ञापन के माध्यम से समस्या से अवगत कराया।

बाबा साहब भारतीय अर्थशास्त्री, न्यायवादी, राजनेता, दार्शनिक के साथ-साथ समाज सुधारक एवं संविधान के रचयिता भी थे:रेखा यादव

बरेली। भारत रत्न बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर के 67वें महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में इज्जतनगर मंडल कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समारोह में मंडल रेल प्रबंधक सुश्री रेखा यादव ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रास्ट्रक्चर) विवेक गुप्ता, अपर मंडल रेल प्रबंधक(परिचालन) राजीव अग्रवाल सहित सभी शाखा अधिकारियों, यूनियन के पदाधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी पुष्प अर्पित कर श्रद्धाँजलि दी। इस अवसर पर मंडल कार्यालय के सभा कक्ष में उपस्थित अनेक शाखा अधिकारियों एवं यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा कि बाबा साहब भारतीय अर्थशास्त्री, न्यायवादी, राजनेता, दार्शनिक के साथ–साथ समाज सुधारक एवं संविधान के रचयिता भी थे। जाति प्रतिबंधों, सामाजिक असामनता और अस्पृश्यता जैसें सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए आरक्षण व्यवस्था लागू करवाने में उनका प्रयास उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने समाज के सभी वर्ग के लोगों को एक सूत्र में पिरोने के साथ–साथ सभी को समान अधिकार दिलाने का काम किया है। उक्त कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अरविन्द कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

महानगर कांग्रेस कमेटी ने भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

बरेली । महानगर कांग्रेस कमेटी ने कोतवाली स्थित भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति पर जाकर पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की । श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला ने कहा डॉ भीमराव अंबेडकर मुंबई में रहते थे ,वह बेहद गरीब थे, एक कमरे के मकान में रहते थे ,जहां पर उन्हें शिक्षा प्राप्त करने में काफी परेशानी उठानी

पड़ी उन्होंने धैर्य के साथ अपनी शिक्षा को प्राप्त किया ,कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने धैर्य और वीरता से अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त की थी ,उन्होंने स्नातकोत्तर के लिए प्राचीन भारतीय वाणिज्य विषय पर भी रिसर्च कार्य प्रस्तुत किया था ,वह हमेशा से मेधावी छात्र रहे ,लंदन, कोलंबिया विश्वविद्यालय में उन्होंने शिक्षा प्राप्त की थी, वह हमेशा से ही समाज सुधारक रहे इसके साथ–साथ लेखक भी थे लेखन में रुचि होने के कारण उन्होंने कई पुस्तक भी लिखी, वह 9भाषाओं के जानकार थे , सामाजिक सुधार का मोर्चा उठाया ,1936 में स्वतंत्र मजदूर पार्टी का गठन भी किया 6 दिसंबर 1956 को उन्होंने अंतिम सांस ली ऐसे महापुरुष व्यक्ति से हमें प्रेरणा लनी चाहिए, उनकी पुण्यतिथि पर हम सभी उन्हें शत–शत श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख से प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश अग्रवाल, पार्षद मैहसर खान पूर्व पीसीसी असलम चौधरी ,पीसीसी सदस्य एवं महानगर प्रवक्ता योगेश जौहरी, अनिल देव शर्मा , महासचिव डॉ सर्वत हुसैन हाशमी, महानगर महासचिव फिरोज खान, राजेश कुमार, सचिन पप्पू सागर दिनेश वाल्मीकि, अफजल हुसैन, साकिर हुसैन, साकिर सकलानी, सूर्य प्रकाश सक्सेना, जिला उपाध्यक्ष दिनेश दादा, राजेंद्र सागर ,ऋषिपाल सिंह अफसर खान, मुजम्मिल हुसैन, , इस्लाम खानउर्फ डायरेक्टर सचिन रतन सक्सेना ,फहीम अंसारीकांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जॉनसन को मिली वॉर्नर पर टिप्पणी करने की सजा

ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान सीरीज में नहीं कर पाएंगे कमेंट्री

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन और डेविड वॉर्नर इन दिनों विवादों में घिरे हुए हैं। जॉनसन ने अपने कॉलम में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वॉर्नर के चयन पर निशाना साधा था। जॉनसन ने कहा था कि वॉर्नर का चयन इस वजह से हुआ कि वह सीरीज के बाद संन्यास ले रहे हैं, न कि उनकी फॉर्म की वजह से हुआ था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ने साथ ही कहा कि मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली से मौजूदा खिलाड़ियों के रिश्ते बेहद अच्छे हैं। वह प्रदर्शन के आधार पर नहीं बल्कि संबंध के आधार पर टीम का चयन कर रहे हैं। इस विवाद के बाद से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में खलबली मच गई। हालांकि, टेस्ट के दौरान जॉनसन और वॉर्नर का आमना-सामना हो सकता था। हालांकि, अब ऐसा होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। कमेंट्री पैनल से जॉनसन को निकाला दरअसल, जॉनसन ने कहा था कि वह ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान टेस्ट सीरीज के लिए 'ट्रिपल एम' कमेंट्री टीम का हिस्सा होंगे। हालांकि, कंपनी द्वारा मंगलवार को जारी कमेंटेटरों की लिस्ट में उनका नाम शामिल नहीं था। इसमें मर्व ूज, वसीम अकरम और मार्क टेलर जैसे दिग्गजों के नाम थे, लेकिन जॉनसन को इससे बाहर किया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जॉनसन को कमेंट्री पैनल से ही हटा दिया है। वॉर्नर पर कॉलम के जरिये निशाना साधने के दो दिन बाद पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन ने इसके पीछे के कारण का खुलासा किया था। साथ ही अपने कॉलम पर ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता जॉर्ज बेली की प्रतिक्रिया को बचकाना और बेतुका बताया था। जॉनसन ने कॉलम के पीछे की पूरी कहानी बताई जॉनसन ने वॉर्नर पर किए गए तीखे हमले को वापस नहीं लिया और खुलासा किया कि ये सब तब शुरू हुआ जब उन्हें अप्रैल में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज से एक कॉलम के जवाब में काफी व्यक्तिगत संदेश मिला था, जो उन्होंने वॉर्नर की पत्नी कैंडिस द्वारा फॉक्स स्पोर्ट के कार्यक्रम में टेस्ट टीम में अपने पति के स्थान का बचाव करने के बाद लिखा था। जॉनसन ने वॉर्नर के संदेश के बारे में कोई जानकारी नहीं दी लेकिन स्वीकार किया कि सिडनी में विदाई टेस्ट मैच की वॉर्नर की इच्छा और उस मैसेज ने उन्हें कॉलम लिखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'लोगों को मेरा कॉलम पसंद आया और उससे जुड़े हैं। उन्हें ऐसा लगा कि इसका एक निजी पक्ष भी है, जो कि वाकई है। लेकिन जब मैंने आर्टिकल लिखे हैं, तो मैंने हमेशा यह कोशिश की है कि मैं जो भी लिखूं, बाद में उसका बचाव करने की पूरी तैयारी रखूं। यह मेरी राय है, यह केवल एक राय है।

देश का डाटा सेंटर उद्योग निवेशकों के लिए बन रहा है आकर्षण, पहली छमाही में 21 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। देश में डाटा सेंटर उद्योग में लगातार तेजी देखी जा रही है और यह निवेशकों के लिए एक आकर्षक क्षेत्र बन गया है। निवेशकों ने चालू वर्ष की पहली छमाही के दौरान डाटा सेंटर बाजार में 21.4 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। सीबीआरई की मंगलवार को

जारी रिपोर्ट के अनुसार, हालिया वैश्विक चुनौतियों के बावजूद इस क्षेत्र में निवेशकों की रुचि बढ़ी हुई है। भारत में डाटा सेंटर की क्षमता 2020 से दोगुनी होकर 2023 की पहली छमाही तक 880 मेगावॉट तक पहुंच गई। इसके 2023 अंत तक 1,048 मेगावॉट पहुंचने की उम्मीद है। इसलिए?बढ़ रहा निवेश तेज डिजिटलीकरण, प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे में सुधार, 5जी, कृत्रिम मेधा (एआई), ब्लॉकचेन और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को शामिल करने के कारण भारत में डाटा सेंटर उद्योग में लगातार निवेश आ रहा है। निवेश पाने वाले शीर्ष राज्यों में उत्तर प्रदेश भी सीबीआरई के अध्यक्ष एवं सीईओ (भारत-दक्षिण पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया व अफ्रीका) अंशुमान मैगजीन ने कहा, 2018 से 2023 की पहली छमाही तक भारत ने 35 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है।

'मैं तैयार हूं', पाकिस्तान के कोच बनने को लेकर बोले अजय जडेजा

पाक टीम की तुलना अफगानिस्तान से की

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से पाकिस्तान क्रिकेट में काफी उथलपुथल का दौर रहा है। जहां टीम डायरेक्टर मिकी आर्थर समेत सभी कोच को हटा दिया गया। वहीं, मुख्य चयनकर्ता भी बदले गए। पाकिस्तान के मौजूदा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मोहम्मद हफीज टीम के डायरेक्टर के साथ-साथ हेड कोच की भी भूमिका निभाएंगे। वहीं, वहाब रियाज को मुख्य चयनकर्ता बनाया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड फिलहाल एक नए कोच की तलाश कर रहा है। घरेलू कोच होने का फायदा टीम इंडिया को विश्व कप में मिला था। ऐसे में पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स ने भी टीम का कोच अपने देश का होने पर जोर दिया है। या फिर कोई ऐसा जिनसे पाकिस्तान खिलाड़ी बेहतर तरीके से बातचीत कर सकें, जिनके साथ कम्यूनिकेशन बेहतर हो। ऐसे में भारत के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा के एक बयान ने सभी को चौंका दिया है। एक स्पोर्ट्स चैनल से बातचीत के दौरान उनसे जब पूछा गया कि क्या वह पाकिस्तान

टीम के कोच बनना चाहेंगे? इस पर भारत के इस दिग्गज ने कहा कि 'मैं तैयार हूं'। अब ऐसा जडेजा ने मजाक में कहा यह वह किसी चीज का संकेत दे रहे थे, इस बारे में जडेजा ही बेहतर जानते होंगे। जडेजा ने हाल ही में हुए विश्व कप में अफगानिस्तान टीम के मेंटर की भूमिका निभाई थी। यह उनका किसी टीम के स्टाफ के तौर पर पहला असाइनमेंट था। जडेजा की देखरेख में अफगानिस्तान ने बेहतरीन खेल दिखाया था और चार मैच जीते थे, जो किसी एक विश्व कप में इस टीम द्वारा जीते गए सबसे ज्यादा मैच थे। अफगानिस्तान ने इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी विश्व कप विजेता टीमों को हराया था। अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान की हार में जडेजा ने अहम भूमिका निभाया। लोगों को 1996 विश्व कप का दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच याद आ गया था, जो कि बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया था। तब भारत का सामना पाकिस्तान से हुआ था। भारत की जीत में नवजोत सिंह सिद्धू, वेंकटेश प्रसाद और अनिल कुंबले ने अहम भूमिका निभाई थी। वेंकटेश का आमिर सोहेल को पवेलियन वापस भेजना कौन भूल सकता है।

गुजरात की दो महिलाओं ने बताया पर्यावरण बचाने का तरीका

नीम की पत्तियों ओर गोमुत्र से बनाया जैविक खाद

नई दिल्ली। देसी परिधान पहनकर संगीताबेन राठौड़ और जसुमतिबेन जेठाबाई परमार ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए शक्तिशाली पारंपरिक समाधानों के साथ यहां वैश्विक जलवायु सम्मेलन में दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। इससे पहले कभी अपने गृह राज्य गुजरात से बाहर नहीं निकलीं अरावली की राठौड़ और जेतापुर की परमार ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए व्यावहारिक समाधान पेश किए जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर धूम मचा रहे हैं। अपने पारंपरिक ज्ञान के बलबूते वे नीम की पत्तियों और गौमूत्र का इस्तेमाल कर जैविक खाद एवं कीटनाशक बना रही हैं, जिसने न केवल वर्षों तक उनकी फसलों को बचाकर रखा है बल्कि पूरे भारत में महिला किसान इसे अपना रही हैं। इससे रासायनिक खाद का एक सतत विकल्प मिला है। राठौड़ ने कहा, मैंने जलवायु परिवर्तन के कारण भारी नुकसान झेलने के बाद स्थानीय समाधान की

तलाश करने की ठानी। मुझे 2019 में 1.5 लाख रुपये से अधिक की गेहूं की फसल का नुकसान हुआ। उसके बाद हमने समस्या पर गौर करना शुरू किया और हमें पता चला कि बदलती जलवायु के कारण कीटों का हमला काफी ज्यादा बढ़ गया है और वाणिज्यिक कीटनाशकों का असर नहीं हो रहा है। इसके बाद हमने पारंपरिक समाधानों का रुख करने की सोची जिसका हमारे पूर्वज इस्तेमाल करते थे जिसमें नीम की पत्तियां और गौमूत्र शामिल है। राठौड़ से यह पूछने पर कि वैश्विक मंच पर वह क्या उम्मीद कर रही हैं, इस पर उन्होंने कहा कि वह उम्मीद करती हैं कि जो समाधान उन्होंने अपनाए हैं उन्हें ज्यादा से ज्यादा लोगों के साथ साझा किया जाए और वाताकारों को इस बात का अहसास कराया जाए कि जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में महिलाओं पर क्या असर पड़ रहा है और हमें किस मदद की जरूरत है। उनके साथ ही जसुमतिबेन ने कहा, हमारी सरल प्रतीत होने वाली परंपराएं एक टिकाऊ भविष्य की कुंजी रखती हैं। संगीताबेन और जसुमतिबेन ने अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के साथ भी अपने विचार साझा किए और जलवायु परिवर्तन के कारण भारतीय महिला कामगारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। स्वाश्रयी महिला सेवा संघ (सेवा) की निदेशक रीमा नानावती ने भी जलवायु परिवर्तन के कारण भारतीय महिला कामगारों के सामने आने वाली चुनौतियों का उल्लेख किया। यहां वैश्विक जलवायु वार्ता में 198 देशों के 1,00,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधि नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर, पीएमआई के आंकड़ों में पुष्टि

नई दिल्ली। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का सूचकांक विस्तार को दशार्ता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दशार्ता है। यह सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों के पैनल को भेजी गई प्रश्नावली के जवाब से तैयार किया गया है। देश में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज

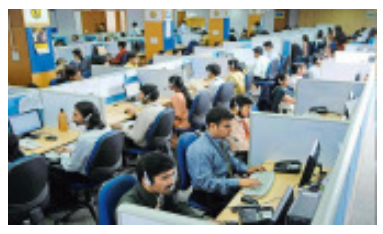

बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अक्टूबर के 58.4 से गिरकर नवंबर में एक साल के निचले स्तर 56.9 पर आ गया। हालांकि महीने-दर-महीने आंकड़ों में गिरावट देखने के बावजूद विस्तार की यह दर अपने दीर्घकालिक औसत से मजबूत रही। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का सूचकांक विस्तार को दशार्ता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दशार्ता है। यह सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों के पैनल को भेजी गई प्रश्नावली के जवाब से तैयार किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत के सेवा क्षेत्र ने तीसरी तिमाही के बीच में वृद्धि की रफ्तार गंवा दी है, लेकिन हम सेवाओं की मजबूत मांग देख रहे हैं, जिससे नए कारोबार में तेजी आ रही है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की इकोनॉमिक्स असोसिएट डायरेक्टर पॉलियाना डी लीमा ने कहा, ₹लॉन्ग टर्म ऐवरेज पर विचार करने पर विस्तार की मौजूदा दर काफी अच्छी लगती है और महंगाई बढ़ने की आशंकाओं के चलते उम्मीद कमजोर पड़ने के बावजूद बिजनेस ऐक्टिविटी का आउटलुक अच्छा बना हुआ है। कीमतों के मोर्चे पर, इनपुट लागत और आउटपुट चार्ज मुद्रास्फीति की दरें आठ महीने के निचले स्तर पर आ गईं।

आईईएस अधिकारी जितेश जॉन बने आईडीबीआई के कार्यकारी निदेशक

नई दिल्ली। भारतीय आर्थिक सेवा के अधिकारी जितेश जॉन ने भारतीय दिवालिया एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले वह ऊर्जा मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। यथावत रह सकती है रेपो दर, एमपीसी बैठक आज से आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक बुधवार से शुरू हो रही है।?एमपीसी के नतीजे शुक्रवार को आएंगे।?माना जा रहा है कि केंद्रीय बैंक एक बार फिर से रेपो दर को 6.5 फीसदी पर यथावत रख सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों का कहना है कि आरबीआई चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में परिवर्तन नहीं करेगा।?केयर रेटिंग्स ने कहा, इस बैठक में आरबीआई वित्त वर्ष 2024 के लिए अपने पहले के विकास अनुमानों को 20-30 बीपीएस तक संशोधित कर सकता है। सेवा क्षेत्र की?गतिविधियां एक साल के निचले स्तर पर, नए ऑर्डर घटे देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर, 2023 में घटकर एक साल के निचले स्तर पर आ गईं। कंपनियों को नए आर्डर मिलने की गति घटने और काम पूरा करने की धीमी रफ्तार से यह गिरावट आई है। मंगलवार को जारी एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक पिछले महीने घटकर एक साल के निचले स्तर 56.9 पर आ?गया।?अक्तूबर में यह 58.4 रहा था। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, भारत के सेवा क्षेत्र ने तीसरी तिमाही के मध्य में ही वृद्धि की गति खो दी। कच्चे माल और काम पूरा करने की दरें आठ माह के निचले स्तर पर फिसल गईं। वैश्विक स्तर पर डीएपी महंगी रही तो खुदरा बाजार में बढ़ेंगी कीमतें वैश्विक स्तर पर डायअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दरें ऊंची रहती हैं तो घरेलू बाजार में भी खुदरा कीमतें बढ़ सकती हैं। या फिर सरकार इस पर सब्सिडी दे। फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा कि इस समय डीएपी 1,350 प्रति बैग बेची जा रही है।

भारोत्तोलक शरबानी ने जीता स्वर्ण, ओडिशा की स्नेहा को परास्त किया

कोलकाता। ग्रेटर नोएडा में इस वर्ष हुई राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली पश्चिम बंगाल की शरबानी दास ने अश्मिता खेलो इंडिया महिला वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया। 55 भार वर्ग के मुकाबले में शरबानी ने दक्षिण एशियाई खेलों की विजेता और 2019 की राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली ओडिशा की

स्नेहा सोरेन को पराजित किया। इस वर्ष जूनियर विश्व चैंपियनशिप में सातवें स्थान पर रहने वाली शरबानी ने कुल 186 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 80 और क्लीन एंड जर्क में 106 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नेहा को सिर्फ एक किलो के अंतर से हराया। स्नेहा ने कुल 185 किलो वजन उठाया। स्नेहा ने स्नैच में 79 और क्लीन एंड जर्क में 106 किलो वजन उठाया। मणिपुर की नीलम देवी ने 178 किलो के साथ कांस्य पदक जीता। 59 भार वर्ग में अरुणाचल प्रदेश की यालम बालो ने 175 किलो के साथ स्वर्ण, मणिपुर की शाखेनबी देवी ने 171 के साथ रजत पदक जीता। 64 भार वर्ग में असम की दितिमोनी सोनोवाल ने 185 किलो के साथ स्वर्ण, छत्तीसगढ़ की सोनाली यादू ने 181 किलो के साथ रजत जीता। 71 भार वर्ग में छत्तीसगढ़ की अक्ता बंजारे ने 71 भार वर्ग में 175 किलो के साथ स्वर्ण और असम की सोंगिता ने 174 किलो वजन के साथ रजत पदक जीता।

दीपक चाहर के पिता को ब्रेन स्ट्रोक, क्रिकेटर बोले- खेल बाद में पहले पुत्रधर्म निभाऊंगा

आगरा। भारतीय टीम के क्रिकेटर दीपक चाहर ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाना है या नहीं इसके बारे में बाद में निर्णय लेंगे। फिलहाल वह खेल से पहले पुत्र धर्म निभाएंगे। दीपक के पिता लोकेंद्र चाहर को पिछले दिनों मस्तिष्क आघात हुआ था। उन्हें मिथराज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी हालत में सुधार में है। बता दें कि 10 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम अपना पहला टी-20 मैच खेलेगी। पिता की देखभाल कर रहे दीपक चाहर से वीडियो कॉल के जरिये भारतीय

क्रिकेट टीम के सदस्यों ने उनके पिता की तबीयत के बारे में जानकारी ली और हौसला बढ़ाया। मंगलवार को दीपक चाहर ने अमर उजाला को बताया कि उन्होंने भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक राहुल सर (राहुल द्रविड़) और चयनकताओं से बातचीत की। उनसे अनुरोध किया जब तक पापा की तबीयत खतरे से बाहर नहीं हो जाती है, तब तक वह अभ्यास नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल में अच्छा इलाज मिल रहा है। पापा की तबीयत में सुधार है। हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. राजेंद्र कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि दो दिसंबर को दीपक के पिता लोकेंद्र चाहर को मस्तिष्क आघात होने पर हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। वह अलीगढ़ में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। उनकी हालत में सुधार है। उन्हें चिकित्सकों की टीम की देखरेख में रखा गया है। दिल्ली के अपोलो अस्पताल से भी संपर्क में हैं। दो-तीन दिन में उन्हें छुट्टी दी जा सकती है। पिता की तबीयत खराब होने की खबर सुनते ही दीपक चाहर 3 दिसंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज के अंतिम मैच को छोड़कर अलीगढ़ आ गए थे। हॉस्पिटल में दीपक के चाचा, बहन हैं।

यूको बैंक में इस साल 820 करोड़ का संदिग्ध आईएमपीएस लेनदेन, सीबीआई ने 13 स्थानों पर छापेमारी की

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस साल नवंबर में यूको बैंक में 820 करोड़ रुपये के संदिग्ध आईएमपीएस (तत्काल भुगतान सेवा) लेनदेन के सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज की है और कई शहरों में 13 स्थानों पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दो सहायक इंजीनियरों और एक अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान सोमवार देर रात तक जारी रहा

और इसमें कोलकाता व मैंगलोर भी शामिल थे। सीबीआई ने यह कार्रवाई यूको बैंक की शिकायत पर बैंक में काम करने वाले दो सहायक इंजीनियरों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के बाद की है। एजेंसी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि एजेंसी ने करीब 820 करोड़ रुपये के संदिग्ध आईएमपीएस लेनदेन का आरोप लगाया है। तलाशी के दौरान बरामद हुआ ये सामान उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान मोबाइल फोन, लैपटॉप, कंप्यूटर सिस्टम, ईमेल अर्काइव और डेबिट/क्रेडिट कार्ड सहित इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य बरामद किए गए। अधिकारियों ने कहा,'यह आरोप लगाया गया है कि 10 नवंबर 2023 और 13 नवंबर 2023 के बीच सात निजी बैंकों के 14000 खाताधारकों से आईएमपीएस आवक लेनदेन को आईएमपीएस चैनल के माध्यम से यूको बैंक के भीतर 41,000 खाताधारकों को निर्देशित किया गया।'

पांच साल में 4.76 लाख करोड़ रुपए खर्च नहीं कर सके 16 विभाग

लखनऊ। यूपी सरकार के अधीन 16 विभागों ने पांच साल में 4.76 लाख करोड़ रुपये खर्च ही नहीं किए। यह कैग की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है।टॉप तीन में वित्त विभाग और बेसिक शिक्षा विभाग भी शामिल है। राज्य सरकार के अधीन 16 विभागों ने पांच साल में 4.76 लाख करोड़ रुपये खर्च ही नहीं किए। विधानसभा में पेश सीएजी रिपोर्ट में ये खुलासा हुआ है। खर्च न करने वालों में वित्त विभाग पहले और सबसे नीचे आवास विकास विभाग है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुदान के अंतर्गत सतत बचतों का मतलब है कि या तो योजनाओं और कार्यक्रमों पर काम नहीं किया गया अथवा धीमी गति से काम किया गया। इसके परिणामस्वरूप 16 विभाग पांच साल में 4.76 लाख करोड़ रुपये खर्च नहीं कर सके। वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 के बीच के ऑडिट में पाया गया कि बेहद महत्वपूर्ण विभागों ने धीमी गति से काम किया या फिर किया ही नहीं।पांच साल में खर्च न करने वाले विभागों का लेखा-जोखा खुद गवाह है। जिन विभागों ने बजट खर्च नही किया ,उनमें क्रमशःआवास विकास 6570 करोड़,मध्यम उद्योग 16500 करोड़,कृषि व अन्य 37264 करोड़,गृह विभाग 22421 करोड़, चिकित्सा 13616 करोड़,चिकित्सा परिवार कल्याण 10620 करोड़,नगर विकास विभाग 35074 करोड़,न्याय विभाग-12947 करोड़महिला बाल कल्याण 16240 करोड़,राजस्व विभाग 6925 करोड़,वित्त विभाग ऋण 105783 करोड़,वित्त विभाग भत्ते 52013 करोड़ ,शिक्षा विभाग प्राथमिक 70423 करोड़शिक्षा विभाग माध्यमिक 11141 करोड़, समाज कल्याण 43720 करोड़ और सिंचाई विभाग ने 15674 करोड़ नही खर्च किये।

कुकरैल में 50 घरों पर चला बुलडोजर,महिलाएं रोती हुई मलबे से सामान बटोरती रहीं

लखनऊ। लखनऊ में कुकरैल नदी के किनारे बसे 50 घरों पर बुलडोजर चल रहा है। बुधवार सुबह लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अफसर फोर्स के साथ बुलडोजर लेकर पहुंचे। बुलडोजर को देखते ही भिकमपुर बस्ती के लोग जुट गए। सभी रास्ते को घेरकर खड़े हो गए। फिर पुलिस कर्मियों ने लोगों को किसी तरह से हटाया। इस दौरान एक महिला सड़क पर बैठ गई। इसके बाद प्रशासन ने लोगों को घर खाली करने को कहा। मगर जब किसी ने घर खाली नहीं किया, तो प्रशासन ने बुलडोजर चलवा दिया। रोते-बिलखते लोगों ने अफसरों से घरों को खाली करने का मौका मांगा। फिर प्रशासन ने लोगों को सामान खाली करने के लिए 2 घंटे की मोहलत दी। इस दौरान महिलाएं रोती हुईं मलबे से सामान बटोरती नजर आईं। उन्होंने कहा कि यह गांव हमारा है। अवैध बस्ती नहीं है। यहां सैकड़ों सालों से रह रहे हैं। हालांकि, प्रशासन का कहना है कि यह अवैध अतिक्रमण है। कुकरैल नदी के किनारे 2000 से ज्यादा घर बने हैं। जिन्हें स्क।, नगर निगम, पीडब्लयूडी और सिंचाई विभाग ने खाली करने का नोटिस दिया है। इसमें मंदिर-मस्जिद भी हैं। इससे पहले मंगलवार को स्क। और जिला प्रशासन की टीम कब्जा हटाने के लिए चेतावनी दी थी। तब भी लोगों ने जमकर विरोध किया। भिकमपुर के लोगों का आरोप है कि मकान खाली कराने के लिए जिला प्रशासन और एलडीए की टीम ने स्थानीय प्रशासन की बिजली काट दी। यही नहीं, पुलिस ने उनके साथ जमकर बदसलूकी की थी। बिना महिला पुलिस के साथ प्रशासन की टीम वहां पहुंची थीं। पुलिस वालों ने महिलाओं के साथ में अभद्र व्यवहार किया। उनका सामान हटाने के लिए कूड़ा गाड़ी लाई गई थी। लोगों ने कहा कि आज हम लोग भूखे रह गए हैं। बच्चों से लेकर बूढ़े तक किसी ने भी खाना नहीं खाया। जिन घरों में खाना बन गया था, उन्हें फेंकने की नौबत आ गई। महिलाएं सुबह से रो ही रही हैं। कमल यादव ने बताया कि वह शादी के बाद यहीं आई थी। यह मकान उनके ससुर का है आजादी से पहले से वह यहां रहते आए हैं। अब अचानक अभियान चलाकर इस तरह से लोगों को बेसहारा करना सरकार की तानाशाही है। कृष्णकांत सिंह का कहना है, वह 35 साल से यहां पर रह रहे थे। सरकार की तरफ से जो मकान दिया भी जा रहा है, वहां तो सड़क ही खराब है और रहने लायक भी नहीं है। अब देखते हैं कि क्या कर सकते हैं? कहां जा सकते हैं? प्रशासन ने जिन लोगों को नोटिस दी गई है, उसमें से ज्यादातर लोग माइनॉरिटी और दलित क्षेत्र से आते हैं। अकबरपुर वाले इलाके में 80: आबादी माइनॉरिटी की है, जबकि भिकमपुरा इलाके में ओबीसी और दलितों की संख्या ज्यादा है। स्क। वीसी ने बताया, कुकरैल रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के लिए कुल 1400 निर्माण को धराशाई किया जाएगा। जिसके लिए हमने ऑर्डर पास कर दिए हैं। करीब 70 लोगों को डूडा ने आवास आवंटित कर दिया है, उन्होंने अपना अलॉटमेंट लेटर भी प्राप्त कर लिया। प्रशासन का कहना है कि कुकरैल नदी के सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। इसलिए अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चल रहा है। हालांकि सौंदर्यीकरण शासन से अभी इसके लिए कितना बजट आए, यह तय नहीं हुआ है।

ड्राइवर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ के कृष्णानगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने कमरे में अंगौछा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह जागने पर परिजन की नजर पड़ी तो शव को फंदे से नीचे उतार कर अस्पताल ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसके चलते खुदकुशी की वजह पता नहीं चल सकी है। अमर नाथ रावत पत्नी अनुराधा और तीन बच्चों दीपक प्रकाश, गौरव, शिवानी के साथ अपने साले सुधीर के घर भिलावा एवं आलमबाग में रहते हैं। सुधीर ने जानकारी देते हुए बताया कि दीपक प्रकाश (28) प्राइवेट गाड़ी चलाता है। वह बचपन से ही अपने मामा के घर पर रह रहा था। दीपक रोजाना की तरह गाड़ी चलाकर बीती मंगलवार रात करीब दस बजे घर आया और पानी पीकर अपने कमरे में वापस चला गया। कुछ देर बाद बहन के पास आया और बातचीत कर दोबारा अपने कमरे में चला गया। बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे दीपक का फोन बजने पर वह नहीं उठा तो उसकी मां अनुराधा ने कमरे में जाकर देखा तो दीपक का शव फंदे पर लटका हुआ था। परिजनों ने शव को नीचे उतार कर लोकबंधु अस्पताल ले गए, जहां पर डॉक्टरों ने दीपक को मृत घोषित कर दिया। कृष्णा नगर इंस्पेक्टर जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि दीपक के आत्महत्या करने के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटनास्थल पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

गे-डेटिंग ऐप के जरिए समलैंगिकों को फंसाता था यह गैंग

युवक को होटल में बुलाकर छीना कैश और मोबाइल फोन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस ने राज्य की राजधानी में समलैंगिक पुरुषों को यौन सुख या बॉडी मसाज देने के बहाने लूटने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जो सभी बिहार के रहने वाले हैं। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान रोशन पाठक (28), शुभम राज (25), मोहम्मद फिरदौस (30) और मोहम्मद फैजल (28) के रूप में की गई है, जो यहां किराए के मकान में रह रहे थे। यह गिरोह पुलिस के रडार पर तब आया जब एक पीड़ित जो एक समलैंगिक है और इंदिरा नगर का निवासी है ने विभूति खंड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि विभूति खंड के एक होटल में कुछ लोगों ने उसकी पिटाई की और 80,000 रुपये और उसका फोन लूट लिया। भारतीय दंड संहिता की धारा 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना) और 384 (जबरन वसूली) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। हालांकि, चारों की गिरफ्तारी के बाद धारा 392 (डकैती) और 411 (बेईमानी) जोड़ी गई। लखनऊ पूर्व के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) सैयद अली अब्बास ने कहा कि घटना 29 नवंबर को हुई जब पीड़िता ने एक समलैंगिक डेटिंग ऐप के माध्यम से उनमें से एक से बात करने के बाद एक होटल में 4 लोगों से मिलने की योजना बनाई। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि जब वह होटल के कमरे में पहुंचा, तो कमरे में मौजूद चार लोगों ने पैसे मांगने शुरू कर दिए और धमकी दी कि वे उसकी यौन रुचि को सार्वजनिक कर देंगे। जब उसने पैसे देने से इनकार कर दिया, तो उन्होंने उसकी पिटाई की और उसके साथ जबरदस्ती की। उसके बैंक खाते से पैसे ट्रांसफर करें। जिसके बाद वे और पैसे मांगने लगे, लेकिन जब उसने इनकार कर दिया तो उन्होंने उसका मोबाइल फोन ले लिया और मौके से भाग गए। पुलिस के मुताबिक, ये लोग इंटरनेट के जरिए ये अपराध करते थे और डेटिंग ऐप पर शहर के अलग-अलग लोगों को निशाना बनाते थे। विभूति खंड के एसएचओ अनिल कुमार ने कहा कि पूछताछ के दौरान उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वे समलैंगिकों को बॉडी मसाज की पेशकश करके उन्हें लुभाते थे। उन्होंने कहा कि उनके नाम नाका पुलिस में एक अन्य डकैती मामले में भी दर्ज हैं। मई में नाका पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार, आरोपी शुभम राज ने जेएनपीजी कॉलेज में इग्नू के समन्वयक के रूप में काम करने वाले एक व्यक्ति को चारबाग के एक होटल के कमरे में बुलाकर निशाना बनाया था। जब वह वहां पहुंचा तो उसे अन्य तीन लोग मिले जिन्होंने उसे धमकी दी और उसका एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड और उनके पिन ले लिए। पीड़ित ने अपनी एफआईआर में कहा, ष्उन लोगों ने एटीएम से 38,000 रुपये निकाले और क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके 4,58,150 के सोने के आभूषण ले आए। उन्होंने मुझे मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी दी। मामला आईपीसी की धारा 392, 411 और 506 के तहत दर्ज किया गया था।

मायावती ने केंद्र सरकार की पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना पर उठाए सवाल

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मुखिया मायावती ने बुधवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना पर सवाल उठाए हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आंबेडकर के 67वें परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, लगभग 140 करोड़ की विशाल आबादी वाले भारत के गरीबों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों, अतिपिछड़ों सहित उपेक्षित बहुजनों के मसीहा व देश के मानवतावादी समतामूलक संविधान के निमार्ता भारतरत्न परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को आज उनके परिनिर्वाण दिवस पर अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित। उन्होंने आगे लिखा, देश के 81 करोड़ से अधिक गरीब लोगों को पेट पालने के लिए सरकारी अन्न के मोहताज का जीवन बना देने जैसी दुर्दशा ना यह आजादी का सपना था और ना ही उनके लिए कल्याणकारी संविधान बनाते समय बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने सोचा था, यह स्थिति अति-दुःखद। पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा, देश में रोटी-रोजी के अभाव एवं महंगाई की मार के कारण आमदनी अठन्नी भी नहीं पर खर्चा रुपया होने के कारण गरीब, मजदूर, छोटे व्यापारी, किसान, मध्यम वर्ग सहित सभी मेहनतकश समाज की हालत त्रस्त व चिन्तनीय है, जबकि संविधान को सही से लागू कर उनकी हालत अब तक काफी संवर जानी चाहिए थी। ज्ञात हो कि गरीब कल्याण अन्न योजना को एक जनवरी 2024 से अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाया जाएगा।

अब बच्चों का बनेगा अपार कार्ड,बच्चों की पढ़ाई लिखाई का अपार कार्ड में रहेगा लेखा जोखा

लखनऊ । आधार कार्ड अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। राशन की दुकान से लेकर सिम कार्ड लेने तक में ये काम आता है। अब ऐसा ही एक और कार्ड सरकार आपके बच्चों के लिए बनाने जा रही है।ये आने वाले समय में उनकी स्कूल की पढ़ाई-लिखाई से लेकर कॉलेज में एडमिशन लेने और नौकरी ढूंढने तक में मदद करेगा। इसका नाम सरकार ने अपार आईडी कार्ड रखा है।भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने अपार आईडी कार्ड बनाने की शुरूआत की है।ये देशभर में स्कूली छात्रों का पहचान पत्र होगा। इसे एक राष्ट्र, एक विद्यार्थी कार्ड भी कहा जाता है।सरकार जो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई है उसके हिसाब से ही अपार कार्ड बनाना शुरू किया है।अपार कार्ड का फुल फॉर्म ऑटोमेटेड परमानेंट अकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री है। सरकार स्टूडेंट का 12 अंकों एक ऐसा आईडी कार्ड बनाएगी जो बचपन से लेकर उनकी पढ़ाई खत्म होने तक स्थायी रहेगा।उनके स्कूल बदलने पर भी उनकी अपार आईडी एक ही रहेगी। ये उनके आधार कार्ड से अलग होगा और आपस में लिंक होगा। इसमें सभी जानकारी ऑटोमेटिक तरीके से अपडेट होती जाएगी।इसके लिए सरकार ने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स लॉन्च किया है। ये शैक्षिक रजिस्ट्री की तरह काम करता है, इसे आप डिजिलॉकर की तरह एडुलॉकर भी समझ सकते हैं।अपार कार्ड असल में एक छात्र की सभी तरह की जानकारी को डिजिटली स्टोर करेगा।इसमें उनकी पढ़ाई-लिखाई का सारा हिसाब-किताब होगा, जैसे कि बच्चों ने कितनी कक्षा तक पढ़ाई की है, उनको क्या-क्या इनाम मिला है, उनके पास कौन-कौन सी डिग्री है, उन्हें वजीफा यानि स्कॉलरशिप मिला है या नहीं, अगर मिला है तो कितना और कहां-कहां से मिला है, उनके किस कक्षा में कितने मार्क्स आए हैं, वगैरह-वगैरह सभी जानकारी इस कार्ड में डिजिटली ट्रांसफर होगी।अपार कार्ड बनवाने के लिए विद्यार्थी के पास एक वैलिड आधार कार्ड होना जरूरी है। डिजिलॉकर पर उसका अकाउंट होना भी जरूरी है। विद्यार्थी की ई-केवाईसी पूरी की जाएगी।अपार कार्ड छात्र-छात्राओं को उनके स्कूल या कॉलेज जारी करेंगे। यह रजिस्ट्रेशन बच्चों के माता-पिता की सहमति से होगा।माता-पिता किसी भी समय अपनी सहमति को समाप्त यानि विड्रॉल भी कर सकते हैं। स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों को एक फॉरमेट फॉर्म देंगे, जिसे वह अपने माता-पिता से भरवाकर जमा कर सकते हैं। अभिभावकों की सहमति के बाद ही स्कूल या कॉलेज बच्चों का अपार कार्ड बना सकेंगे।

जी.बी. पन्त पालीटेक्निक में अंग्रेजी की राजपत्रित प्रवक्ता का अंग्रेजी ज्ञान निल बटा सन्नाटा

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ की मोहान रोड स्थित जी. बी. पन्त पालीटेक्निक में अंग्रेजी के राजपत्रित प्रवक्ता पद पर काम कर रही श्रद्धा सक्सेना पर उनके विषय अंग्रेजी का ही ज्ञान नहीं होने का गंभीर आरोप लग रहा है. लखनऊ के राजाजीपुरम क्षेत्र निवासी समाजसेविका और पूर्व में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के आरटीआई प्रकोष्ठ की प्रदेश उप प्रभारी रह चुकीं उर्वशी शर्मा ने श्रद्धा द्वारा बीते 05 दिसम्बर को संस्था के प्रधानाचार्य को संबोधित हस्तलिखित छुट्टी के प्रार्थना पत्र की त्रुटियों के आधार पर इस प्रवक्ता पर यह गंभीर आरोप लगाया है और सूबे के सीएम योगी समेत तमाम अधिकारियों को शिकायत भेजकर श्रद्धा को राज्य सरकार के अनिवार्य सेवानिवृत्ति के शासनादेशों और नियमों के तहत सरकारी सेवा से बाहर करने की कार्यवाही आरम्भ कर शीघ्रातिशीघ्र अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रदान करने की मांग कर डाली है। बताते चलें कि यह पालीटेक्निक सूबे का एकमात्र ऐसा पालीटेक्निक है जो समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित है. सूबे के बाकी सभी पालीटेक्निक प्राविधिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित हैं. जी. बी. पन्त पालीटेक्निक बहुतायत अनुसूचित जाति-जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों के शिक्षण के लिए आरक्षित हैं। उर्वशी बताती हैं कि छुट्टी के प्रार्थना पत्र जैसा साधारण पत्र भी सही और शुद्धता से लिख पाने में नितांत अक्षम प्रवक्ता अंग्रेजी श्रद्धा सक्सेना को उनकी इस मानसिक अक्षमता के चलते ही अनिवार्य सेवानिवृत्ति देकर सेवा से बाहर करने के लिए उन्होंने देश हित,समाज हित,लोक हित तथा सरकार हित में मांग उठाई है। उर्वशी ने अपनी शिकायत में लिखा है कि अंग्रेजी भाषा और अंग्रेजी व्याकरण की अत्यधिक मोटी-मोटी और अत्यधिक गंभीर त्रुटियाँ वाले श्रद्धा के पत्र के अवलोकन से स्पष्ट है कि कतिपय कारणों से श्रद्धा अंग्रेजी भाषा और व्याकरण को पूरी तरह से भूल चुकी हैं और वर्तमान में इस विषय के शिक्षण के लिए मानसिक रूप से नितांत अक्षम हो गई हैं और यह भी कि श्रद्धा के प्रश्नगत प्रार्थना पत्र से अच्छा, सही तथा शुद्ध प्रार्थना पत्र तो आज का पांचवीं कक्षा का विद्यार्थी ही लिख लेता है। उर्वशी का कहना है कि मानसिक रूप से नितांत अक्षम श्रीमती श्रद्धा द्वारा छात्रों को जिस प्रकार का ज्ञान दिया जा रहा होगा उसकी तो सिर्फ कल्पना मात्र ही की जा सकती है और यह भी कि यदि देश के नौनिहाल श्रद्धा जैसे मानसिक रूप से अक्षम अध्यापक से शिक्षा ग्रहण करेंगे तो भाषा और व्याकरण के क्षेत्र में अज्ञानी रह जाने के कारण उनका भविष्य संवरने के स्थान पर बिगड़ना अवश्संभावी है और ऐसा होने देना न तो देश हित में है, न समाज हित में है,न ही लोक हित में है तथा न ही सरकार हित में है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वां दीक्षांत समारोह में 43 हजार 398 स्टूडेंट्स को मिली डिग्री

107 मेधावियों को मिला मेडल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का 66वां दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान 43 हजार 398 स्टूडेंट्स को डिग्री मिली। इसके साथ ही 107 मेधावियों को 193 मेडल मिला। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक पद्मनी प्रो. बलराम भार्गव शामिल हुए हैं। समारोह में रेडफ्यूजन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संदीप गोयल को मानद उपाधि दी गई। विश्वविद्यालय की तरफ से सभी डिग्रियों को डिजिलाकर में भी ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराया गया। विश्वविद्यालय के छह दिसंबर को होने वाले दीक्षा समारोह के मुख्य अतिथि एम्स नई दिल्ली के कार्डियोथोरेसिक सेंटर के प्रमुख पद्मश्री डा. बलराम भार्गव हैं। पद्मश्री डा. बलराम भार्गव लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी हैं। उन्होंने किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी से क्लिनिकल मेडिसिन और कार्डियोलाजी (एमबीबीएस, एमडी, डीएम) में स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपर-स्पेशलिस्ट मेडिकल डिग्री प्राप्त की। उन्हें कोविड-19 महामारी के दौरान स्वदेशी वैक्सीन के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। उन्होंने पहले नई दिल्ली में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के महानिदेशक के रूप में कार्य किया। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव का पद भी संभाला हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वें दीक्षा समारोह में विज्ञापन एजेंसी रेडिफ्यूजन के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डा. संदीप गोयल को मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ मध्य और उत्तर विधान सभा क्षेत्र में महिला मतदाता कम

लखनऊ। मध्य और उत्तर विधान सभा क्षेत्रों में महिला मतदाताओं की संख्या कम है। निरीक्षण को आए चुनाव आयोग के अधिकारियों ने जाने से पहले हिदायत दी कि महिलाओं की संख्या सूची में बढ़ाने के लिए गंभीरता से प्रयास करें।वर्तमान में लखनऊ पश्चिम का लिंगानुपात 862, उत्तर का 873 और मध्य का 895 है।पूरे शहर की नौ विधानसभा क्षेत्रों की बात करें तो लिंगानुपात 882 है यानि प्रति 1000 पुरुष मतदाताओं के मुकाबले इतनी महिला मतदाता हैं। मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए 2 और 3 को विशेष अभियान चलेगा। इसमें अधिक से अधिक ऐसी महिलाओं का आवेदन लिया जाएगा जिनके नाम अब तक मतदाता सूची में नहीं जुड़े हैं। इसके पूर्व चुनाव आयोग की टीम ने को लखनऊ उत्तर व लखनऊ मध्य में वोटर पंजीकरण केन्द्रों का निरीक्षण किया था। मतदाता सूची देखी और महिला वोटरों की संख्या के संबंध में एईआरओ, सुपरवाइजरों, बीएलओ से सवाल किए।

बाबा साहब ने दबे कुचले लोगों के हक व सम्मान के लिए आजीवन किया संघर्ष

लखनऊ। भारतरत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर निर्बल विकास जन कल्याण सेवा संस्थान के तत्वावधान में किला चौराहे के निकट बाबा साहब की प्रतिमा पर संस्थान के महासचिव रमेश सिंह रवि ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।बाबा साहेब के जीवन और संघर्ष विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता संस्थान के महासचिव रमेश सिंह रवि ने की। इस अवसर पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माला अर्पण करते हुए महासचिव रमेश सिंह रवि ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के मौके पर कहा कि बाबा साहब ने अपने जीवन में देश के दबे- कुचले लोगों के हक व सम्मान के लिए संघर्ष किया । उन्होंने केवल दलितों के लिए ही नहीं बल्कि पिछड़े, गरीबों, मजदूरों, किसानो, युवाओं, महिलाओं आदि सभी को सम्मान दिलाया। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के मन मस्तिष्क और समूचे जीवन दर्शन में भारतीय-भारतीयता व मानवता कूट-कूटकर भरी हुई थी। बाबा साहेब द्वारा बनाये गये संविधान के कारण ही देश में किसानों, नौजवानों, दलितों, पिछडो एवं महिलाओं को अपना अधिकार प्राप्त हुआ है और डॉक्टर अंबेडकर के सम्मान, राष्ट्रहित में किये गये योगदान को देशवासी सदैव याद रखेंगे। हम सबको बाबा साहब के अधूरे सपने को पूरा करने के लिए मतभेद भुलाकर करके बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए, तभी बाबा साहब का सपना पूरा होगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप नंद किशोर यादव, सुलेखा अमिता शर्मा,विभूति शुक्ला, सीमा यादव, कुमारी रूबी, रेखा शर्मा, अमन सिंह, रितिक कुमार, राम कुमार रावत, विशालकुमार उमेश रावत, सोनू गौतम आदि शामिल हुए ।

इंडिया की बैठक में जाने से मना कर फिर छेड़ा पीडीए का राग

लखनऊ। हालिया विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शिकस्त के बाद इंडिया गठबंधन में दरारें नजर आने लगी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छह दिसंबर को गठबंधन की बैठक बुलाई थी, जिसमें सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जाने से इनकार दिया। उन्होंने एक बार फिर से पीडीए के नारे को बुलंद किया है।अखिलेश ने कहा कि एनडीए को पीडीए ही हर सकता है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस से गठबंधन नहीं होने के बाद से ही अखिलेश यादव कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं। चुनाव के दौरान भी दोनों दलों के बीच काफी बयानबाजी देखने को मिली थी, खुद सपा अध्यक्ष कांग्रेस पर सीधा वार करते दिखाई दिए और अब जब कांग्रेस को इन चुनावों में जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा है तो अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन को छोड़ते हुए एक बार फिर पीडीए के दम पर एनडीए को हराने का दावा किया है। इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने से इनकार के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने दावा किया कि पीडीए यानि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक मिलकर एनडीए को हरा सकते हैं।ये एक सामाजिक आंदोलन हैं. उन्होंने लिखा, पीडीए ही एनडीए को हरायेगा।पीडीए सामाजिक आंदोलन है। सामाजिक न्याय का संघर्ष है।

कार की मांग पूरी न होने पर पत्नी को दिया तीन तलाक

लखनऊ। अलीगंज थानाक्षेत्र अन्तर्गत दहेज में कार की मांग पूरी न होने पर एक युवक ने पत्नी को तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। इस पर पीड़िता ने अलीगंज थाने में लिखित शिकायत देते हुए पति समेत पांच ससुरालवालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक नागेश उपाध्याय के मुताबिक, मेहंदी टोला निवासी शम्मे फरोज शेख की शादी बाराबंकी नवाबगंज के रहने वाले इरशाद अली की बेटी से दिसंबर 2016 में हुई थी। लिखित शिकायत में पीड़िता ने बताया कि ससुराल में दहेज की अतिरिक्त मांगों को लेकर उसे तरह-तरह की यातनाएं दी जाने लगीं। कई बार उनके पिता ने ससुराल वालों को दहेज के नाम पर रुपये भी दिए। कुछ दिन चुप रहने के बाद ससुराल वाले फिर उनको परेशान करने लगते थे। इस बीच इरशाद सऊदी अबर चले गए। पति के जाने के बाद ससुराल वालों की प्रताड़ना और बढ़ गई। कुछ समय पहले उनके पति वापस लौटे और कार की डिमांड करने लगे। इस पर पीड़िता ने पति व ससुराल वालों की इस मांग को पूरा करने से साफ मना कर दिया।

राज्यपाल की अध्यक्षता में शुरू हुआ दीक्षांत समारोह

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय का 66वां दीक्षांत समारोह बुधवार को शुरू हो चुका है। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल और विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल कर रही हैं। इसके अलावा मुख्य अतिथि के तौर पर पद्मश्री प्रोफेसर बलराम भार्गव, प्रदेश सरकार के मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, रजनी तिवारी और विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉक्टर संदीप गोयल को मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

स्वामी , प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुमन्त शुक्ला द्वारा एवीपी रेपो ग्राफिक्स, 59, इंडस्ट्रियल एरिया, ताल कटोरा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से मुद्रित कराकर 283/303 के आरती नगर गढ़ी कनौरा मानक नगर लखनऊ से प्रकाशित ।

सम्पादक
सुमन्त शुक्ला
मो0 9451302627

सह सम्पादक
श्रीमती रेनू शर्मा

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।